Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
Autonomous
Accredited by NAAC with Grade 'A' (CGPA Score 3.41 on a 4 Point Scale)
Best Affiliated College-Goa University Silver Jubilee Year Award

F.133C / 1226

4th March, 2020

All the members of Board of Studies in Hindi

Sub: Minutes of the Meeting of the Board of Studies in Hindi held on 15th February, 2020

Madam,

I am forwarding the minutes of the meeting of the Board of Studies in Hindi held on 15th February, 2020 in Conference room of the College. If no exception is taken by any member who was present at the meeting to the correctness of the minutes of the meeting, within 5 days of receipt of the minutes, they shall be deemed to be correct and accepted.

Yours faithfully,

Mr. Pradeep Jatal
Chairman

Encl: 1. Minutes of the meeting.
2. Course Structure & Syllabi

Parvatibai Chowgule college of Arts and Science

(Autonomous)

Margao-Goa

MINUTES OF MEETING OF THE BOARD OF STUDIES IN HINDI

HELD ON 15th FEBRUARY 2020 AT. 10.00 AM

Vide Chowgule college notice (F133(C)/1821 dated 30th January, 2020) a meeting of this BOS was convened on 15th February, at 10.00am. in the Conference Room, Parvatibai Chowgule college of Arts and Science, Margao - Goa. Since the number of members of persent represented the Quorum, the BOS began its proceedings.

Minutes are presented in the format.

Members present:

1. Mr. Pradeep Jatal- Chairman
2. Dr.Satish Pandey- Academic council Nominee
3. Dr. Soniya Sirsat - Vice-Chancellor Nominee,Goa University
4. Shri. Manish Kumar- Industry Representative
5. Dr. Rakesh Sharma- Expert Special Courses
6. Mr. Aditya Sinai Bhangui- Alumni
7. Ms.Alka Gawas - Member Secretary
8. Dr.Rishikesh Mishra- Member
9. Ms.Alka Gawas- Member
10. Ms.Shambhavi Naik- Member
11. Mr. Akbarali Shaikh - Member

Members Absent with intimations

1. Dr. Sadanand Bhosle- Academic council Nominee

Proceedings

The Chairman welcomed the members of the board of studies (BOS) the Chairman introduced and explained the agenda for the meeting and Board transacted the following business:

Agenda items:

1. Revised the syllabus for Under-graduate and Post-graduate program in Hindi.

2.A.O.B

3. To revise the syllabus of B.A in Hindi for Semester I to VI

PART A : Resolution:-

1. सर्व प्रथम बी. ए. का पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस. के सामने प्रस्तुत किया गया, जिस पर चर्चा करते हुए उपस्थित सदस्यों द्वारा महत्त्वपूर्ण सुझाव देकर कुछ प्रश्नपत्र को कोर के बदले इलेक्टिव किया गया तथा शीर्षक एवं उपशीर्षकों में परिवर्तन किया गया। जिसे सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निम्नवत है-

Sr. No	**SEMESTER**	**COURSE**	**Course Code**	**Nature of the Course**	**UG Level at which Offered**
1.	Semester I	हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन (Hindi story and Shabda Sadhan)	HIN -I.C-1	Core Compulsory	B.A (Hindi)
2.	Semester I	हिन्दी कविता एवं काव्यसौंदर्य (Hindi poetry and kavya Soundarya)	HIN -I.C-2	Core Compulsory	B.A (Hindi)
3	Semester II	हिन्दी नाटक,वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म (study of Hindi drama, Documentary and Feature film)	HIN -II.C-3	Core Compulsory	B.A (Hindi)
4.	Semester II	हास्य–व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता (Haasya –Vyangya Essay and journalism)	HIN -II.C-4	Core Compulsory	B.A (Hindi)
5.	Semester III	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल) (History of Hindi literature Adi,Bhakti & Ritikaal)	HIN-III C-5	Core Compulsory	B.A (Hindi)
6.	Semester III	प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन (Functional Hindi : Translation and Letter Writing)	HIN-III E-1	Elective	B.A (Hindi)
7 .	Semester III	मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ) (Medieval Poetry-selective poems)	HIN-III E-2	Elective	B.A (Hindi)

8.	Semester III	हिन्दी महिला लेखन (Hindi Mahila Lekhan)	HIN-III E-3	Elective	B.A (Hindi)
9.	Semester III	हिन्दी दलित लेखन (study of Hindi Dalit lekhan)	HIN-III E-4	Elective	B.A (Hindi)
10.	Semester IV	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (History of Hindi literature – modern era	HIN-IV.C-6	Core Compulsory	B.A (Hindi)
11.	Semester IV	हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक (Hindi Journalism- Print and Electronic Media)	HIN-IV.E-5	Elective	B.A (Hindi)
12.	Semester IV	विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (special study of poet – Suryakant Tripathi Nirala)	HIN-IV.E-6	Elective	B.A (Hindi)
13.	Semester IV	विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी (Special study of Hindi Story)	HIN-IV.E-7	Elective	B.A (Hindi)
14.	Semester IV	हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानीएवंउपन्यास) (Appreciation of Hindi Literature and review of poems, stories and novels)	HIN-IV.E-8	Elective	B.A (Hindi)
15.	Semester V	भारतीय काव्यशास्त्र (Indian poetics)	HIN-V.C-7	Core Compulsory	B.A (Hindi)
16.	Semester V	कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक) Kathetar gadya sahitya : sansmaran , yatravrutaant, evam jivni	HIN-V.E-9	Elective	B.A (Hindi)
17.	Semester V	विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास (A study of Hindi Novel)	HIN-V.E-10	Elective	B.A (Hindi)
18.	Semester V	मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन Media writing – Radio and Television	HIN-V.E-11	Elective	B.A (Hindi)
19.	Semester V	हिंदी नाटक (Hindi Drama)	HIN-V.E-12	Elective	B.A (Hindi)
20.	Semester VI	पाश्चात्य काव्यशास्त्र (western poetics)	HIN-VI.C-8	Core Compulsory	B.A (Hindi)
21.	Semester VI	हिंदी निबंध (Hindi essay)	HIN-VI.E-13	Elective	B.A (Hindi)
22.	Semester VI	भाषाविज्ञान (linguistics)	HIN-VI.E-14	Elective	B.A (Hindi)

23.	Semester VI	हिंदी भाषा,लिपि एवं व्याकरण (Hindi language, script and grammar)	HIN-VI.E-15	Elective	B.A (Hindi)
24.	Semester VI	साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन (Sahitya ka Antaranushasnatmak Adhayayn)	HIN-VI.E-16	Elective	B.A (Hindi)
Foundation Course					
25	Semester I	भाषाकौशल (Skills of language)	FC-HIN.1	Optional	B.A (Hindi)
26	Semester II	व्यावहारिक हिन्दी (Functional/Vyavharik Hindi)	FC-HIN.2	Optional	B.A (Hindi)
Skill Enhancement Course					
27	Semester- III	हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक) (Hindi Street Play)	HIN-III.SEC-1	Skill Enhancement Course	B.A (Hindi)
28	Semester- IV	हिन्दी एकांकी (Hindi One act Play)	HIN-IV.SEC-2	Skill Enhancement Course	B.A (Hindi)

2. उपस्थित सदस्यों द्वारा महत्त्वपूर्ण सुझाव देते हुए स्नातक पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्र में संशोधन किया गया, जिसे सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निम्नवत है-

SEMESTER -I

1.1 'हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन' HIN-I.C-1 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई दो में ममता कालिया की 'मुखौटा' कहानी जोड़ने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

1.2 'हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य' HIN-I.C-2 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए पाठ्यक्रम की इकाई तीन से समास को निकालकर उसके स्थान पर नागार्जुन की कविता 'प्रेत का बयान' को जोड़ने का सुझाव रखा। इकाई चार में काव्य सौन्दर्य के चार उपशीर्षकों के स्थान पर तीन उपशीर्षकों को रखा जाए। प्रथम उपशीर्षक के अंतर्गत 'शब्दालंकार' तथा 'अर्थालंकार' को साथ रखने का सुझाव दिया गया। द्वितीय उपशीर्षक के अंतर्गत 'मात्रिक छंद' तथा 'वर्णिक छंद' को साथ को रखा

जाए तथा तृतीय में समास को जोड़ने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

1.3 'व्यावहारिक हिन्दी' FC इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इसके अंतर्गत परिवर्तन न करने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

SEMESTER –II

2.1 'हिन्दी नाटक,वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म' HIN-II.C-3 इस प्रश्न पत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई दो और तीन से 'एक और द्रोणाचार्य'नाटक को निकालकर उसके स्थान पर असगर वजाहत का नाटक 'जिस लाहौर नहीं देख्या ओ जम्याइ नइ' को रखने का सुझाव रखा। जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

2.2 'हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता' HIN-II.C-4 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्व प्रथम इकाई दो में प्रेम जनमेजय का निबंध 'मोची भया उदास' तथा इकाई तीन में चतुर्थ उपशीर्षक बनाकर उसमें रवीन्द्रनाथ त्यागी का निबंध 'अच्छी हिन्दी' जोड़ने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

2.3 **'भाषा कौशल'** FC इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्योंने चर्चा और संशोधन करते हुए इसके अंतर्गत परिवर्तन न लाने का सुझाव रखा। जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

SEMESTER –III

3.1 'प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन' HIN-III.C-5 इस प्रश्नपत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए सर्वप्रथम 'प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन' HIN-III.C-5 को HIN-III.E-1 बनाने का सुझाव रखा। इकाई एक के अंतर्गत तृतीय उपशीर्षक 'प्रयोजनमूलक हिन्दी और रोजगार के अवसर' जोड़ने का सुझाव दिया गया। इकाई तीन अनुवाद लेखन में छठे उपशीर्षक 'ई-अनुवाद' एवं सातवे उपशीर्षक के अंतर्गत 'अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष' को रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

3.2 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल) HIN-III.E-1 इस प्रश्न पत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए सर्वप्रथम 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (आदिकाल, भक्तिकाल

एवं रीतिकाल) HIN-III.E-1 को HIN-III.C-5 करने का सुझाव रखा। इकाई तीन के उप शीर्षक 'राम एवं कृष्ण काव्यधारा का सामान्य परिचय एवं प्रवृतियाँ' बदलकर, उसे 'राम एवं कृष्ण भक्ति काव्यधारा का सामान्य परिचय एवं प्रवृतियाँ' करने का सुझाव रखा गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

3.3 'मध्यकालीन काव्य' (चयनित कविताएँ) HIN-III.E-2 इस प्रश्नपत्र पर चर्चा करते हुए सर्वप्रथम इकाई तीन से कवि 'रविदास' को निकालने का सुझाव रखा गया तथा उसके स्थान पर 'रसखान' के पद रखने का भी सुझाव दिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

3.4 'हिन्दी महिला लेखन'HIN-III.E-3इस प्रश्नपत्र परपर चर्चा एवं संशोधन करते सर्व प्रथम इकाई तीन से शरद सिंह यादव की कहानी 'हुस्नबानों का आठवां सवाल' को निकालने का सुझाव रखा गया तथा उसके स्थान पर सुदर्शन प्रियदर्शिनी की कहानी 'देशांतर' को जोड़ने का सुझाव दिया गया। इकाई चार में से छठे उपशीर्षक मुझे रो लेने दे- जयश्री राय की कविता को हटाकर उसके स्थान पर निर्मला पुतुल की कविता 'क्या तुम जानते हो' रखने का सुझाव दिया गया, जिसे सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

3.5 'हिन्दी दलित लेखन' HIN-III.E-4 इस प्रश्नपत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए दलित कहानियों को जोड़ने का निर्णय लिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

SEMESTER –IV

4.1 हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक HIN-IV.C-6 इस प्रश्नपत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए सर्वप्रथम हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक HIN-IV.C-6 को HIN-IV.E-5 बनाने का निर्णय लिया गया। इकाई दो से 'पत्रकारिता का महत्त्व' को निकालकर उसे इकाई एक में जोड़ने का सुझाव रखा गया। इकाई दो में पत्रकारिता का महत्त्व के स्थान पर माध्यम के आधार पर प्रकार (प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक) रखने का सुझाव रखा। इकाई तीन के अंतर्गत उपशीर्षक तीन बनाकर 'संचार क्रान्ति के बाद की पत्रकारिता' और इकाई चार 'घ' उपशीर्षक के 'सोशल मीडिया (ट्विट्टर, ब्लॉग, व्हाट्सअप, यूट्यूब, फेसबुक) रखने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

4.2 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) HIN-IV.E-5 इस इस प्रश्नपत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए सर्वप्रथम 'हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) HIN-IV.E-5 को HIN-IV.C-6 बनाने का सुझाव दिया गया। इकाई एक तथा इकाई दो में चौथे उपशीर्षक को जोड़ा गया तहा

इकाई एक में राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा को तथा इकाई दो में 'साठोत्तरी एवं समकालीन कविता' को रखने का सुझाव रखा। कोष्ठक में दिए हुए शब्दों को बदलकर उपरोक्त काव्यधाराओं/विधाओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृतियों को रखने का सुझाव रखा गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

4.3 विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला HIN-IV.E-6 इस इस प्रश्नपत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए इकाई दो से 'तोड़ती पत्थर', 'विधवा' कविता को निकालकर उसके स्थान पर क्रमश: 'गीतिका के पद', 'बांधो न नाँव इस ठाँव' कविता को तथा 'वसंत आया' कविता के स्थान पर 'सखी वसंत आया' रखने का सुझाव दिया गया। 'जागो फिर एक बार' कविता का कोई एक खंड रखने का सुझाव दिया गया। इकाई तीन में 'बादल राग' के किसी एक खंड को रखने का सुझाव दिया गया। 'मरा हूँ हजार मरण' इस कविता के स्थान पर 'संध्या सुंदरी' इस कविता को रखने का सुझाव रखा। इन सुझावों को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

4.4 'विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी' HIN-IV.E-7 इस प्रश्नपत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया, जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

4.5 'हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा'(कविता,कहानी एवं उपन्यास) HIN-IV.E-8 इस प्रश्नपत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए सर्व प्रथम इकाई दो में उपशीर्षक बनाया गया और उसके अंतर्गत 'यशोधरा' के कुछ अंश रखने का सुझाव दिया गया। इकाई तीन के अंतर्गत मन्नू भण्डारी की कहानी 'यही सच है' के साथ प्रसाद की कहानी 'पुरस्कार' तथा शिवप्रसाद सिंह की कहानी 'कर्मनाशा की हार' को रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

SEMESTER –V

5.1 'मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविज़न' HIN-V.C -7 इस प्रश्नपत्र पर चर्चा एवं संशोधन करते हुए सर्वप्रथम 'मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविज़न' HIN-V.C -7 को HIN-V.E-11 बनाने का सुझाव दिया गया। इकाई दो के 'रेडियो लेखन के प्रकार' के अंतर्गत 'संचालन कला'(रेडियो जॉकी) को रखने का सुझाव दिया गया। इकाई तीन में 'टेलीवीजन लेखन के प्रकार' के अंतर्गत 'वेब सिरीज़' को रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

5.2 'कथेतर गद्य साहित्य: संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, आत्मकथा एवं जीवनी' HIN-V.E-9 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इसके शीर्षक में परिवर्तन करते हुए इसे 'कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृत्तांत, आत्मकथा एवं जीवनी' रखने का सुझाव

रखा। इकाई एक में 'रेखाचित्र' को रखते हुए विशेषताओं को जोड़ने का सुझाव रखा। इकाई दो में 'संस्मरण' के साथ 'रेखाचित्र' को रखने का सुझाव दिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

5.3 'विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास' HIN-V.E-10 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई तीन से उदयप्रकाश रचित 'मोहनदास' को निकालकर उसके स्थान पर ममता कालिया का 'दौड़' उपन्यास रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

5.4 'भारतीय काव्यशास्त्र' HIN-V.E-11 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम 'भारतीय काव्यशास्त्र' HIN-V.E-11 को HIN-V.C-7 बनाने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

5.5 'हिन्दी नाटक' HIN-V.E-12 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इसमें कोई परिवर्तन न करने का सुझाव दिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

5.6 'हिन्दी एकांकी' HIN-V.ID-1इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम 'हिन्दी एकांकी' HIN-V.ID-1 को बदलकर उसके स्थान पर HIN-III.SEC-1 (Skill Enhancement Course)बनाने का सुझाव रखा गया तथा इकाई तीन से सुरेन्द्र वर्मा की 'नींद क्यों रात भर नहीं आती' एकांकी को हटाकर उसके स्थान पर धर्मवीर भारती की 'आवाज का नीलाम' एकांकी को रखने का सुझाव रखा गया। जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

SEMESTER –VI

6.1 'हिन्दी भाषा, लिपि एवं व्याकरण HIN- VI.C -8 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए 'हिन्दी भाषा, लिपि एवं व्याकरण HIN- VI.C-8 को HIN-VI.E-15 बनाने का सुझाव दिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

6.2 'हिन्दी निबंध' HIN-VI.E-13 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई दो में भारतेन्दु युगीन, द्विवेदी युगीन, शुक्ल एवं शुक्लोत्तर युगीन निबंधकारों के पाँच निबंध तथा इकाई चार में इकाई तीन और इकाई चार के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन करने का भी सुझाव रखा गया, जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

6.3 'भाषाविज्ञान' HIN-VI.E-14 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इसमें कोई परिवर्तन न करने का सुझाव दिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

6.4 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र' HIN-VI.E-15 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र' HIN-VI.E-15 को बदलकर HIN- VI.C-8 रखने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

6.5 'हिन्दी का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन HIN-VI.E-16 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इसमें कोई परिवर्तन न करने का सुझाव दिया गया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

6.6 'हिन्दी पथनाट्य'(नुक्कड़ नाटक) HIN-VI.ID-2 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम 'हिन्दी पथनाट्य' (नुक्कड़ नाटक) HIN-VI.ID-2 को बदलकर उसके स्थान पर HIN-IV.SEC-2 को (Skill Enhancement Course) बनाने का सुझाव रखा गया। इकाई दो से मुंशी प्रेमचंद कृत 'सवा सेर गेहूँ' को निकालकर उसके स्थान पर 'बादल सरकार' का एक 'नुक्कड़ नाटक' रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

7.0 सभी प्रश्नपत्रों के साथ अंतर्गत एवं सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन देने का सुझाव रखा गया, जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

To revise the syllabus of M.A in Hindi for Semester I to IV

Sr. No	Semester	Core Course	Course Code	Nature of the course	UG Level at which offered
1.	Semester I	हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल (Hindi Sahitya ka Itihas)	HNC-1	Core	M.A (Hindi)
2.	Semester I	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य Pracheen evam Madhyakaleen Kavya	HNC-2	Core	M.A (Hindi)
3	Semester I	भाषा विज्ञान Bhasha Vigyan	HNC-3	Core	M.A (Hindi)
4.	Semester I	विशेष रचनाकारसच्चिदानंद हीरानंद : वात्स्यायन'अज्ञेय' Vishesh Rachnakar: S.H.V. Agyey	HNE-1	Elective	M.A (Hindi)
5.	Semester I	दलित विमर्श Daliy Vimarsh	HNE-2	Elective	M.A (Hindi)
6.	Semester I	अनुवाद Anuvad	HNE-3	Elective	M.A (Hindi)

7 .	Semester II	हिन्दी साहित्य का इतिहास Hindi Sahitya ka Itihas (आधुनिक काल)	HNC-4	Core	M.A (Hindi)
8.	Semester II	आधुनिक काव्य	HNC-5	Core	M.A (Hindi)
9.	Semester II	विशेष विधा:उपन्यास Vishesh Vidha Upanyas	HNC-6	Core	M.A (Hindi)
10.	Semester II	विशेष विधा: कहानी Vishesh Vidha: Kahani	HNE-4	Elective	M.A (Hindi)
11.	Semester II	आलोचक और आलोचना Alochana aur Alochana	HNE-5	Elective	M.A (Hindi)
12.	Semester II	पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम Patrakarita evam Jansanchar Madhyam	HNE-6	Elective	M.A (Hindi)
13.	Semester III	भारतीय काव्यशास्त्र Bhartiya Kavyashastra	HNC-7	Core	M.A (Hindi)
14.	Semester III	प्रयोजनमूलक हिंदी Prayojanmulak Hindi	HNC-8	Core	M.A (Hindi)
15.	Semester III	हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण साहित्य Hindi Bhasha, Lipi Vyakaran evam Sarvekshan	HNC-9	Core	M.A (Hindi)
16.	Semester III	भारतीय साहित्य Bhartiya Sahitya	HNE-7	Elective	M.A (Hindi)
17.	Semester III	नाटक एवं रंगमंच Natak Evam Rangmanch	HNE-8	Elective	M.A (Hindi)
18.	Semester III	आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि Adhunik Hindi Sahitya ki Vaicharik Prishthabhumi	HNE-9	Elective	M.A (Hindi)
19.	Semester IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र Pashchatya Kavyashastra	HNC-10	Core	M.A (Hindi)
20.	Semester IV	मीडिया लेखन Media Lekhan	HNC-11	Core	M.A (Hindi)
21.	Semester IV	शोध प्रविधि Sodh Pravidhi	HNC-12	Core	M.A (Hindi)
22.	Semester IV	आधुनिक गद्य नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी Adhunik Gadya	HNE-10	Elective	M.A (Hindi)
23.	Semester IV	स्त्री विमर्श Stri Vimarsh	HNE-11	Elective	M.A (Hindi)

24.	Semester IV	गद्य की अन्य विधाएँ Gadya ki Anya Vidhaein	HNE-12	Elective	M.A (Hindi)

Semester-I

1.1 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' HNC-01इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई दो में से तृतीय उपशीर्षक विद्यापति और अमीर खुसरो को निकालकर लौकिक साहित्य (लौकिक काव्य परंपरा) को जोड़ने का निर्णय लिया गया। इकाई चार में से कृष्ण भक्तिकाव्य को निकालकर उसे इकाई तीन में पांचवे उपशीर्षक के रूप में रखने का सुझाव दिया गया। इकाई चार के शीर्षक 'कृष्ण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाल' को बदलकर 'रीतिकाल' रख देने का सुझाव दिया गया। इकाई चार के चौथे उपशीर्षक 'रीतिकाल की विविध शाखाएँ' को तीन भागों 1) रीतिबद्ध 2) रीतिसिद्ध 3) रीतिमुक्त में विभाजित करने का सुझाव किया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

1.2 'प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य' HNC-02 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई दो के चतुर्थ उपशीर्षक में 'निर्धारित पाठ्यपुस्तक–कबीर के अंतर्गत केवल 15 पदों को रखने का निर्णय लिया गया। इकाई तीन से अयोध्याकाण्ड को निकालने का सुझाव दिया गया। इकाई तीन के पंचम उपशीर्षक में 'निर्धारित पाठ्यपुस्तक – भ्रमरगीतसार' से सिर्फ 15 पदों को रखने का सुझाव दिया गया। इकाई चार के निर्धारित पाठ्यपुस्तक बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथदास रत्नाकर से 15 दोहों तथा निर्धारित पाठ्यपुस्तक – घनानन्द कवित्त से 15 कवित्त को रखने का सुझाव रखा गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

1.3 'भाषविज्ञान' HNC-03 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई एक से 'भाषा विज्ञान की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा' को निकालकर उसके स्थान पर 'भारोपीय भाषा परिवार' को जोड़ने का सुझाव दिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

1.4 'विशेष रचनाकर अज्ञेय'HNE-01इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्व प्रथम इकाई दो से 'आज थका हिय हारिल मेरा', 'सम्राज्ञी का नैवेद्य', 'दाता और भिखारी' तथा 'सोन मछली' इन उपशीर्षकों को निकालने का सुझाव रखा। इकाई चार में 'आत्मनेपद' के तीन प्रमुख निबंधों में से 'श्लील और अश्लील' तथा 'जीवन का रस' को निकालने का सुझाव रखा तथा और तीन निबंधों को जोड़ने का सुझाव रखा गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

1.5 'दलित विमर्श' HNE 2 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई तीन से सुशीला टाकभौरे कृत तीन कहानियों को निकालने का सुझाव रखा। जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

1.6 'अनुवाद' HNE-3 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई एक के सातवे उपशीर्षक 'प्रासंगिकता महत्त्व एवं सीमाएँ'को तीसरे उपशीर्षक के रूप में रखने का सुझाव रखा गया। इकाई एक में 'अनुवाद के प्रकार'के अंतर्गत 'प्रकृति के आधार पर' को रखने का सुझाव रखा गया। इकाई दो के शीर्षक 'अनुवाद की समस्याएँ' को बदलकर ' विषय आधारित अनुवाद: स्वरूप एवं समस्याएँ' रखने का सुझाव रखा। इकाई दो के तृतीय उपशीर्षक 'विज्ञान, तकनीकी,कोश' को बदलकर उसे 'वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद' कर उस में से कोश निकाल देने का सुझाव रखा। इकाई तीन से के चौथे उपशीर्षक 'थियरी एवं कंप्यूटर' में से कंप्यूटर निकालने का सुझाव रखा गया तथा थियरी का नाम बदलकर समांतर कोश रखने का सुझाव रखा। इकाई तीन में पांचवे उपशीर्षक 'ई उपकरण' को जोड़ने का निर्णय लिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

<u>Semester-II</u>

2.1 'हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल' HNC-04 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्व प्रथम इकाई एक के द्वितीय तथा तृतीय उपशीर्षकों में कोष्ठकों में लिखित (विषयवस्तु एवं सामाजिक चेतना) तथा (विषय वस्तु, भाषा परिष्कार, पत्रकारिता) को निकालने का सुझाव रखा गया। इकाई एक में पंचम उपशीर्षक 'राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा' को जोड़ने का निर्णय लिया गया। इकाई दो के चतुर्थ उपशीर्षक में 'साठोत्तरी कविता' को जोड़ा गया तथा 'समकालीन कविता' को पंचम उपशीर्षक में रखने का निर्णय लिया गया। इकाई चार के 'संस्मरण' में 'रेखाचित्र' को जोड़ने का सुझाव दिया गया। जिसे सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

2.2 'आधुनिक काव्य' HNC-05 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई एक के 'साकेत एवं नवम सर्ग' में चयनित पदों तथा कामायनी में 'लज्जा सर्ग' को जोड़ने का सुझाव रखा। इकाई चार में रामधारी सिंह दिनकर कृत कुरुक्षेत्र के स्थान पर 'रश्मीरथी' के दो सर्ग रखने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

2.3 'विशेष विधा: उपन्यास' HNC-06 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई चार से ममता कालिया कृत 'दौड़' उपन्यास को निकालकर अमृतलाल नागर के 'मानस का हंस' को रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

2.4 'विशेष विधा: कहानी 'HNE-04 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई एक से चंद्रधर शर्मा गुलेरी कृत 'उसने कहा था' यह कहानी के स्थान पर माधवराव सप्रे कृत 'एक टोकरी भर मिट्टी' रखने का सुझाव रखा। इकाई एक में जयशंकर प्रसाद कृत 'पुरस्कार' इस कहानी को निकालकर 'आकाशदीप' कहानी को रखा गया। इकाई दो से यशपाल कृत 'फूलो का कुर्ता' तथा मार्कण्डेय कृत 'हंसा जाई अकेला' के स्थान पर जैनेन्द्र कृत 'अपना अपना भाग्य' तथा राधिका रमण कृत कानो में कंगना को रखने का सुझाव रखा। इकाई तीन से ज्ञानरंजन कृत 'घंटा निकालकर 'पिता' तथा नासिरा शर्मा कृत 'संगसार' निकालकर शेखर जोशी कृत 'कोशी का घटवार' रखने का सुझाव दिया। इकाई चार से ओमप्रकाश वाल्मीकि कृत 'प्रमोशन' निकालकर निर्मल वर्मा कृत 'परिंदे' तथा जयप्रकाश कर्दम कृत 'नो बार' निकालकर भीष्म साहनी कृत 'अमृतसर आ गया है' यह कहानी रखने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

2.5 'आलोचक और आलोचना' HNE-0 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए पाठ्यक्रम में परिवर्तन न करने का निर्णय लिया गया। जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

2.6 'पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम' HNE -06 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई एक में उपशीर्षक 6 को जोड़कर उसमें संचार क्रांति के बाद की हिन्दी पत्रकारिता (1985 से) को रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

<u>Semester-III</u>

3.1 'भारतीय काव्यशास्त्र' HNC-07इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम पाठ्यक्रम में परिवर्तन न करने कासुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

3.2 'प्रयोजनमूलक हिन्दी HNC-08इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई एक के उपशीर्षक दो 'ऐतिहासिक परिप्रेक्ष'(स्वतन्त्रता पूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर काल) को बदलकर 'प्रयोजनमूलक हिन्दी का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष' करने का सुझाव रखा। इकाई एक के उपशीर्षक 3 'राजभाषा : स्वरूप एवं आवश्यकता' में से आवश्यकता को निकालकर विकास को रखने का सुझाव रखा। इकाई दो के उपशीर्षक 9 'राजभाषा की व्यावहारिक समस्याएँ' को बदलकर 'राजभाषा कार्यान्वयन की व्यावहारिक समस्याएँ' रखने का सुझाव रखा गया। इकाई चार के उपशीर्षक 1 के अंतर्गत प्रशासनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली को रखने का तथा उपशीर्षक 2 से पोर्टल को निकालने कासुझाव रखा गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

3.3 'हिन्दी भाषा,लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण' HNC-09 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई तीन में उपशीर्षक 5 को जोड़कर उसके अंतर्गत 'हिन्दी वाक्य रचना: पदक्रम एवं अध्याहार' रखने का सुझाव रखा। संदर्भ ग्रंथ के अंतर्गत 'देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण' प्रकाशक – केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार 1989 को रखने का सुझाव दिया। जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

3.4 'भारतीय साहित्य' HNE -07इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई दो से 'मराठी साहित्य का इतिहास , कन्नड साहित्य का इतिहास को बदलकर 'पंजाबी साहित्य का इतिहास , बांग्ला साहित्य का इतिहास को रखने का सुझाव रखा। इकाई तीन में पाश की कविताएँ जोड़ने का निर्णय लिया गया। इकाई चार से यू. आर। अनंतमूर्ति कृत 'संस्कार' उपन्यास को निकालकर सुनिल गंगोपाध्याय कृत 'सरहद के उस पार' बांग्ला उपन्यास को रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

3.5 'नाटक एवं रंगमंच' HNO-08 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई चार से स्वदेश दीपक कृत 'कोर्ट मार्शल' नाटक तथा असगर वजाहत कृत 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ' को निकालकर धर्मवीर भारती कृत 'अंधा युग' तथा लक्ष्मीनारायण मिश्र कृत 'सिंदूर की होली' रखने का निर्णय लिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

.36 'आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि' HNE-09 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई एक से द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद को निकालकर मार्क्सवाद अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व को रखने का सुझाव दिया । इकाई चार से कोष्ठक में दिए (श्री मधुलिमये आदि के संदर्भ में, डॉ राममनोहर लोहिया) को निकालने का सुझाव दिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

<u>Semester-IV</u>

4.1 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र' HNC-10 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई चार में उपशीर्षक 1 के प्रकृतिवाद को निकालकर, आभिजात्यवाद को उपशीर्षक 1.स्वछंदतावाद को उपशीर्षक 2 के रूप में रखने का सुझाव रखा गया। उपशीर्षक चार 'बिम्ब एवं प्रतीकवाद' से बिंबवाद को उपशीर्षक 3 तथा प्रतीकवाद को उपशीर्षक 4 में रखने का सुझाव दिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

4.2 'मीडिया लेखन' HNC-11 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए पाठ्यक्रम में कोई परिवर्तन न करने का सुझाव रखा गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

4.3 'शोध प्रविधि HNC-12 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए पाठ्यक्रम में कोई परिवर्तन न करने का सुझाव रखा गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

4.4 'आधुनिक गद्य' (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी) HNE-10इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई दो चित्रा मुद्गल कृत 'गिलीगडु ' उपन्यास को निकालकर जगदीश चन्द्र माथुर कृत 'धरती धन अपना' को रखने का सुझाव दिया। इकाई तीन के चिंतामणि भाग के आठ निबंधों के स्थान पर छह निबंध रखने का सुझाव दिया। इकाई चार से 'प्रतिनिधि कथामाला'- संपादक मार्कण्डेय , को निकालकर उसके स्थान पर 21 वीं सदी के विभिन्न विमर्शों पर आधारित छह कहानियों को रखने का सुझाव रखा गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

4.5 'स्त्री विमर्श 'HNE-11 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम पाठ्यक्रम में परिवर्तन न लाने का सुझाव दिया गया।इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

4.6 'गद्य की अन्य विधाएँ' HNE-12 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए सर्वप्रथम इकाई दो से 'संस्मरण' शीर्षक को निकालकर उसके स्थान पर 'डायरी' शीर्षक रख , मुक्तिबोध – एक साहित्यिक की डायरी को रखने का सुझाव दिया गया। इकाई तीन के यात्रावृतांत कृष्णनाथ कृत 'स्पीति में बारिश' को बदलकर राहुल जी कृत मेरी तिब्बत यात्रा को रखा गया। इकाई चार से विष्णु प्रभाकर कृत 'आवारा मसीहा' जीवनी को निकालकर उसके स्थान पर शिवरानी कृत 'प्रेमचंद घर में रखने का सुझाव रखा। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

4. **A.O.B**

अन्य विषय में बी.ए. तथा एम. ए. के पाठ्यक्रम से संबन्धित अन्य संदर्भ ग्रंथ जोड़ने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

PART B:

i. Important Points/ recommendations of BOS that require consideration / approval of Academic Council:

1. The syllabi and titles of following undergraduate Courses (SEM -I to VI)

Sr. No	SEMESTER	COURSE	Course Code	Nature of the Course	UG Level at which Offered
1.	Semester I	हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन (Hindi story and Shabda Sadhan)	HIN -I.C-1	Core Compulsory	B.A (Hindi)
2.	Semester I	हिन्दी कविता एवं काव्यसौंदर्य (Hindi poetry and kavya Soundarya)	HIN -I.C-2	Core Compulsory	B.A (Hindi)
3	Semester II	हिन्दी नाटक,वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म (study of Hindi drama, Documentary and Feature film)	HIN -II.C-3	Core Compulsory	B.A (Hindi)
4.	Semester II	हास्य–व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता (Haasya –Vyangya Essay and journalism)	HIN -II.C-4	Core Compulsory	B.A (Hindi)
5.	Semester III	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल) (History of Hindi literature Adi,Bhakti & Ritikaal)	HIN-III C-5	Core Compulsory	B.A (Hindi)
6.	Semester III	प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन (Functional Hindi : Translation and Letter Writing)	HIN-III E-1	Elective	B.A (Hindi)
7 .	Semester III	मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ) (Medieval Poetry-selective poems)	HIN-III E-2	Elective	B.A (Hindi)
8.	Semester III	हिन्दी महिला लेखन (Hindi Mahila Lekhan)	HIN-III E-3	Elective	B.A (Hindi)
9.	Semester III	हिन्दी दलित लेखन (study of Hindi Dalit lekhan)	HIN-III E-4	Elective	B.A (Hindi)
10.	Semester IV	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (History of Hindi literature – modern era	HIN-IV.C-6	Core Compulsory	B.A (Hindi)
11.	Semester IV	हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक (Hindi Journalism- Print and Electronic Media)	HIN-IV.E-5	Elective	B.A (Hindi)
12.	Semester IV	विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (special study of poet – Suryakant Tripathi Nirala)	HIN-IV.E-6	Elective	B.A (Hindi)
13.	Semester IV	विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी	HIN-IV.E-7	Elective	B.A (Hindi)

		(Special study of Hindi Story)			
14.	Semester IV	हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानीएवंउपन्यास) (Appreciation of Hindi Literature and review of poems, stories and novels)	HIN-IV.E-8	Elective	B.A (Hindi)
15.	Semester V	भारतीय काव्यशास्त्र (Indian poetics)	HIN-V.C-7	Core Compulsory	B.A (Hindi)
16.	Semester V	कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक) Kathetar gadya sahitya : sansmaran , yatravrutaant, evam jivni	HIN-V.E-9	Elective	B.A (Hindi)
17.	Semester V	विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास (A study of Hindi Novel)	HIN-V.E-10	Elective	B.A (Hindi)
18.	Semester V	मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन Media writing – Radio and Television	HIN-V.E-11	Elective	B.A (Hindi)
19.	Semester V	हिंदी नाटक (Hindi Drama)	HIN-V.E-12	Elective	B.A (Hindi)
20.	Semester VI	पाश्चात्य काव्यशास्त्र (western poetics)	HIN-VI.C-8	Core Compulsory	B.A (Hindi)
21.	Semester VI	हिंदी निबंध (Hindi essay)	HIN-VI.E-13	Elective	B.A (Hindi)
22.	Semester VI	भाषाविज्ञान (linguistics)	HIN-VI.E-14	Elective	B.A (Hindi)
23.	Semester VI	हिंदी भाषा,लिपि एवं व्याकरण (Hindi language, script and grammar)	HIN-VI.E-15	Elective	B.A (Hindi)
24.	Semester VI	साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन (Sahitya ka Antaranushasnatmak Adhayayn)	HIN-VI.E-16	Elective	B.A (Hindi)
Foundation Course					
25	Semester I	भाषाकौशल (Skills of language)	FC-HIN.1	Optional	B.A (Hindi)
26	Semester II	व्यावहारिक हिन्दी (Functional/Vyavharik Hindi)	FC-HIN.2	Optional	B.A (Hindi)
Skill Enhancement Course					
27	Semester- III	हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक) (Hindi Street Play)	HIN-III.SEC-1	Skill Enhancement	B.A (Hindi)

				Course	
28	Semester- IV	हिन्दी एकांकी (Hindi One act Play)	HIN-IV.SEC-2	Skill Enhancement Course	B.A (Hindi)

1. **HIN-I C-1** 'हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन' इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए ममता कालिया की 'मुखौटा' कहानी को जोड़ने का निर्णय लिया गया।
2. **HIN-I. C-2** 'हिन्दी कविता एवं काव्यसौंदर्य' इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए नागार्जुन की कविता 'प्रेत का बयान' जोड़ने का निर्णय लिया गया।
3. **HIN-II.C-3** 'हिन्दी नाटक :वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन' इस प्रश्नपत्र से 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक को निकालकर उसके स्थान पर असगर वजाहत का नाटक 'जिस लाहौर नहीं देख्या ओ जम्याइ नइ' को रखने का निर्णय लिया गया।
4. **HIN-II.C-4** 'हास्य व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता' इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए 'मोची भया उदास' और 'अच्छी हिन्दी' नामक निबंध जोड़ने का निर्णय लिया गया।
5. **HIN-III.C-5** 'प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन' को बदलकर HIN-III.E-1 बनाने निर्णय लिया गया। साथ ही उपशीर्षकों में आवश्यक परिवर्तन किए गए।
6. **HIN-III.E-1** 'हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल) HIN-III.E-1 को बदलकर HIN-III.C-5 करने का निर्णय लिया गया।
7. **HIN-III.E-2** मध्ययुगीन काव्य (चयनित कविताएं) इस प्रश्नपत्र में संशोधन कर 'कवि रविदास' के स्थान पर 'रसखान' को रखने का निर्णय लिया गया।
8. **HIN-III.E-3** 'हिन्दी महिला लेखन' इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए शरदसिंह यादव की कहानी 'हुस्नबानों का आठवां सवाल' तथा जयश्री राय की कविता 'मुझे रो लेने दो' को निकालकर उसके स्थान पर सुदर्शन प्रियदर्शिनी की कहानी 'देशांतर' और निर्मला पुतुल की कविता 'क्या तुम जानते हो' को रखने का निर्णय लिया गया।
9. **HIN-III.E-4** 'हिन्दी दलित लेखन' इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए उपशीर्षकों निर्धारित दलित कहानियों एवं कविताओं को जोड़ा गया।
10. **HIN-IV.C-6** 'हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक' को बदलकर HIN-IV.E-5 बनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही उपशीर्षकों में संशोधन करते हुए 'माध्यम के आधारपर पत्रकारिता (प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक)' तथा 'सोशल मीडिया' (ट्विट्टर, ब्लॉग, व्हाट्सएप, यूट्यूब, फ़ेसबूक) रखा गया।
11. **HIN-IV.E-5** 'हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) इस प्रश्नपत्र को बदलकर HIN-IV.C-6 करने का निर्णय लिया गया। साथ ही उपशीर्षकों में आवश्यक परिवर्तन करते हुए 'राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा' तथा 'समकालीन एवं साठोत्तरी कविता' को जोड़ा गया।

12. **HIN-IV.E-6** 'विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 'इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए 'तोड़ती पत्थर', 'विधवा' तथा 'मरा हूँ हजार मरण' कविताओं को निकालकर उनके स्थान पर 'गीतिका के पद', 'बांधो न नाँव इस ठाँव' तथा 'संध्या सुंदरी' कविताओं को रखने का निर्णय लिया गया।
13. **HIN-IV.E-8** 'हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास) इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए मैथिलीशरण गुप्त की कविता 'यशोधरा' के कुछ अंश तथा जयशंकर प्रसाद की कहानी 'पुरस्कार' और शिवप्रसाद सिंह की कहानी 'कर्मनाशा की हार' को जोड़ने का निर्णय लिया गया।

14. **HIN-V.C -7** मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन इस प्रश्नपत्र को बदलकर HIN-V.E-11 बनाने का निर्णय लिया। साथ ही इसमें 'संचालन कला' (रेडियो जॉकी) तथा 'वेब सिरीज' उपशीर्षक को जोड़ा गया।
15. **HIN-V.E-9** 'कथेतर गद्य साहित्य: संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, आत्मकथा एवं जीवनी' इस प्रश्नपत्र के शीर्षक में संशोधन करते हुए इसे 'कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, आत्मकथा एवं जीवनी' करने का निर्णय लिया गया।
16. **HIN-V.E-10** 'विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास' इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए 'मोहनदास' उपन्यास को ममता कालिया के 'दौड़' को रखने का निर्णय लिया गया।
17. **HIN-V.E-11** 'भारतीय काव्यशास्त्र' इस प्रश्नपत्र को बदलकर HIN-V.C -7 बनाने का निर्णय लिया गया।
18. **HIN-V.ID-1** 'हिन्दी एकांकी' इस प्रश्नपत्र को बदलकर (Skill Enhancement Course) HIN-III.SEC-1 बनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही संशोधन करते हुए 'नींद क्यों रातभर नहीं आती' एकांकी को निकालकर धर्मवीर भारती की 'आवाज का नीलाम' को रखा गया।
19. **HIN-V.C-8** 'हिन्दी भाषा,लिपि एवं व्याकरण इस प्रश्नपत्र को बदलकर उसे HIN-VI.E-15 बनाने का निर्णय लिया गया।
20. **HIN-VI.E-13** 'हिन्दी निबंध' इस प्रश्नपत्र में संशोधन करते हुए इकाई दो में भारतेन्दु युगीन, द्विवेदी युगीन, शुक्ल एवं शुकलोत्तर युगीन निबंधकारों के पाँच निबंधो को रखने का निर्णय लिया गया।
21. **HIN-VI.E-15** पाश्चात्य काव्यशास्त्र' इस प्रश्नपत्र को बदलकर HIN-V.C -8 बनाने का निर्णय लिया गया।
22. **HIN-VI.ID-2** 'हिन्दी पथनाट्य'(नुक्कड़ नाटक) को बदलकर (Skill Enhancement Course) HIN-IV.SEC-2 बनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही इस प्रश्नपत्र से 'सवासेर गेहूँ' नुक्कड़ को निकालकर 'बादल सरकार' का कोई एक नुक्कड़ रखने का निर्णय लिया गया।

2. The syllabi and titles of following Post graduate Courses (SEM -I to IV)

Sr. No	Semester	Core Course	Course Code	Nature of the	UG Level at which

				course	offered
1.	Semester I	हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल (Hindi Sahitya ka Itihas)	HNC-1	Core	M.A (Hindi)
2.	Semester I	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य Pracheen evam Madhyakaleen Kavya	HNC-2	Core	M.A (Hindi)
3	Semester I	भाषा विज्ञान Bhasha Vigyan	HNC-3	Core	M.A (Hindi)
4.	Semester I	विशेष रचनाकारसच्चिदानंद हीरानंद : वात्स्यायन'अज्ञेय' Vishesh Rachnakar: S.H.V. Agyey	HNE-1	Elective	M.A (Hindi)
5.	Semester I	दलित विमर्श Daliy Vimarsh	HNE-2	Elective	M.A (Hindi)
6.	Semester I	अनुवाद Anuvad	HNE-3	Elective	M.A (Hindi)
7 .	Semester II	हिन्दी साहित्य का इतिहास Hindi Sahitya ka Itihas (आधुनिक काल)	HNC-4	Core	M.A (Hindi)
8.	Semester II	आधुनिक काव्य	HNC-5	Core	M.A (Hindi)
9.	Semester II	विशेष विधा:उपन्यास Vishesh Vidha Upanyas	HNC-6	Core	M.A (Hindi)
10.	Semester II	विशेष विधा: कहानी Vishesh Vidha: Kahani	HNE-4	Elective	M.A (Hindi)
11.	Semester II	आलोचक और आलोचना Alochana aur Alochana	HNE-5	Elective	M.A (Hindi)
12.	Semester II	पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम Patrakarita evam Jansanchar Madhyam	HNE-6	Elective	M.A (Hindi)
13.	Semester III	भारतीय काव्यशास्त्र Bhartiya Kavyashastra	HNC-7	Core	M.A (Hindi)
14.	Semester III	प्रयोजनमूलक हिंदी Prayojanmulak Hindi	HNC-8	Core	M.A (Hindi)
15.	Semester III	हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण साहित्य Hindi Bhasha, Lipi Vyakaran evam Sarvekshan	HNC-9	Core	M.A (Hindi)
16.	Semester III	भारतीय साहित्य Bhartiya Sahitya	HNE-7	Elective	M.A (Hindi)
17.	Semester III	नाटक एवं रंगमंच Natak Evam Rangmanch	HNE-8	Elective	M.A (Hindi)
18.	Semester III	आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	HNE-9	Elective	M.A (Hindi)

		Adhunik Hindi Sahitya ki Vaicharik Prishthabhumi			
19.	Semester IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र Pashchatya Kavyashastra	HNC-10	Core	M.A (Hindi)
20.	Semester IV	मीडिया लेखन Media Lekhan	HNC-11	Core	M.A (Hindi)
21.	Semester IV	शोध प्रविधि Sodh Pravidhi	HNC-12	Core	M.A (Hindi)
22.	Semester IV	आधुनिक गद्य नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी Adhunik Gadya	HNE-10	Elective	M.A (Hindi)
23.	Semester IV	स्त्री विमर्श Stri Vimarsh	HNE-11	Elective	M.A (Hindi)
24.	Semester IV	गद्य की अन्य विधाएँ Gadya ki Anya Vidhaein	HNE-12	Elective	M.A (Hindi)

1. **HNC-01** इस प्रश्नपत्र के उपशीर्षक में परिवर्तन करते हुए 'विद्यापति और अमीर खुसरो' को निकालकर 'लौकिक साहित्य' को जोड़ा गया। इकाई चार में 'कृष्ण भक्तिकाव्य' को इकाई तीन में लेते हुए इकाई चार में 'रीतिकाल की विविध शाखाएँ' को तीन शीर्षकों रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य में विभाजित किया गया।
1. **HNC-02** इस प्रश्नपत्र में विद्यापति, कबीर, सूरदास, बिहारी एवं सूरदास के 15-15 पदों को रखने का सुझाव दिया। इकाई तीन से अयोध्याकाण्ड को निकालकर केवल उत्तरकांड को रखा गया।
2. **HNC-03** इस प्रश्नपत्र के उपशीर्षक में परिवर्तन करते हुए इकाई एक से 'भाषा विज्ञान की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा' को निकालकर उसके स्थान पर 'भारोपीय भाषा परिवार' को रखा गया।
3. **HNE-01** इस प्रश्नपत्रके उपशीर्षक में परिवर्तन करते हुए इकाई दो से 'सम्राज्ञी का नैवेद्य', 'दाता और भिखारी' तथा 'सोन मछली' को निकाला गया। इकाई चार में आत्मनेपद के दो निबंधों के स्थान पर तीन अन्य वैचारिक निबंधों को जोड़ा गया।
4. **HNE 2** इस प्रश्नपत्र के उपशीर्षक सुशीला टाकभौरे कृत तीन कहानियों को निकाल दिया गया।
5. **HNE-3** इकाई एक में 'अनुवाद के प्रकार' के अंतर्गत 'प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार' उपशीर्षक को रखा गया। इकाई 2 के अंतर्गत शीर्षक में परिवर्तन करते हुए कोश तथा कंप्यूटर को निकाल दिया गया। इकाई 3 में 'ई उपकरण' को जोड़ा गया।

6. **HNC-4** इकाई एक में 'राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा' तथा 'साठोत्तरी कविता' को जोड़ा गया। 'संस्मरण' उपशीर्षक के अंतर्गत 'रेखाचित्र' को भी रखा गया।
7. **HNC-5** इकाई 1 में 'साकेत' के नवंम सर्ग से चयनित पदों को तथा कामायनी में 'लज्जा सर्ग' को जोड़ा गया। इकाई चार में रामधारी सिंह दिनकर कृत 'कुरुक्षेत्र' के स्थान पर रश्मिरथी' के दो सर्ग रखे गये।
8. **HNC-6** में ममता कालिया कृत 'दौड़' उपन्यास को निकालकर अमृतलाल नागर के 'मानस का हंस' को रखा गया।
9. **HNE-4** के अंतर्गत 10 कहानियों में परिवर्तन करते हुए उनके स्थान पर 10 प्रमुख कहानियों को जोड़ा गया।
10. **HNE-6** इस प्रश्नपत्र के इकाई एक में उपशीर्षक 'संचार क्रांति के बाद की हिंदी पत्रकारिता' जोड़ा गया।
11. **HNC-8** के उपशीर्षकों में आवश्यक संशोधन किए गए। इकाई 4 से पोर्टल को पाठ्यक्रम से निकाला गया और 'प्रशासनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली' उपशीर्षक जोड़ा गया।
12. **HNC-9** इकाई तीन में उपशीर्षक 'हिन्दी वाक्य रचना: अध्याहार एवं पदक्रम' रखने का सुझाव रखा।
13. **HNE -7** 'मराठी तथा कन्नड साहित्य का इतिहास' के स्थान पर 'पंजाबी एवं बांग्ला साहित्य का इतिहास' रखा गया। पाश की कविताएँ और रवींद्रनाथ ठाकुर का उपन्यास 'गोरा' जोड़ा गया।
14. **HNE-8** इस प्रश्नपत्र में स्वदेश दीपक कृत नाटक 'कोर्ट मार्शल' तथा असगर वजाहत कृत 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ' को निकालकर धर्मवीर भारती कृत 'अंधा युग' तथा लक्ष्मीनारायण मिश्र कृत 'सिंदूर की होली' को रखा गया।
15. **HNE-09** इस प्रश्नपत्र में के सभी उपशीर्षकों में स्वरूप एवं महत्व के साथ अवधारणा को भी जोड़ा गया तथा श्री मधुलिमये, डॉ राममनोहर लोहिया को पाठ्यक्रम से निकाला गया।
16. **HNC-10** इस प्रश्नपत्र के उपशीर्षक में परिवर्तन करते हुए प्रकृतिवाद को निकाला गया।
17. **HNE-10** के इकाई एक में चित्रा मुद्गल कृत 'गिलिगडु' के स्थान पर जगदीश चंद्र कृत 'धरती धन अपना' जोड़ा गया तथा चिंतामणि भाग-1 छह निबंध रखे गए। इकाई चार में विमर्श केन्द्रित छह कहानियों को रखा गया।
18. **HNE-12** के इकाई दो में 'संस्मरण' की जगह पर 'डायरी' के अंतर्गत मुक्तिबोध कृत 'एक साहित्यिक की डायरी' को जोड़ा गया। इकाई तीन के अंतर्गत यात्रा वृतांत 'स्पीति में बारिश' को बदलकर राहुल सांकृत्यायन कृत 'मेरी तिब्बत यात्रा' तथा इकाई **4** में विष्णु प्रभाकर कृत 'आवारा मसीहा' के स्थान पर शिवरानी कृत 'प्रेमचंद घर में' रखा गया।

The foregoing minutes of the meeting were read out by the Member Secretary at the meeting itself and they were unanimously approved by all the members present.

1. Mr. Pradeep Jatal - Chairman
2. Dr. Satish Pandey - Academic Council Nominee
3. Dr. Sadanand Bhosale - Academic Council Nominee
4. Dr. Sonia Sirsat - Vice-Chancellor Nominee
5. Shri. Manish Kumar - Industry Representative
6. Mr. Aditya Sinai Bhangui - Alumni
7. Dr. Rakesh Sharma - Expert (Whenever Special Courses)
8. Miss. Alka Gawas - Member Secretary
9. Dr. Rishikesh Mishra - Member
10. Miss. Shambhavi Naik - Member
11. Mr. Akbarali Shaikh - Member

Date: 15th February, 2020

Signature of the Chairman
(Mr. Pradeep Jatal)

PART C: The remarks of the Dean of the Faculty:-

a. The minutes are in order.
b. The minutes may be placed before the Academic Council with remark, if any.
c. Important points of the minutes which need clear policy decision of the Academic Council to be recorded.

Date:

Signature of the Dean:
(Faculty of Languages & Literature)

Dr. Hanumant C. Chopdekar

Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)

UNDER GRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

COURSE STRUCTURE

SEMESTR	CORE COMPULSORY		CORE ELECTIVE			
Semester I	**HIN -I.C-1** हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन (Hindi story and Shabda Sadhan)	**HIN -I.C-2** हिन्दी कविता एवं काव्यसौंदर्य (Hindi poetry and kavya Soundarya)	-	-	-	-
Semester II	**HIN -II.C-3** हिन्दी नाटक:वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म (study of Hindi drama, Documentary and	**HIN -II.C-4** हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता (Haasya – Vyangya Essay and journalism)	-	-	-	-
Semester III	**HIN-III C-5** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्ति काल एवं रीतिकाल) (History of Hindi literature Adi,Bhakti & Ritikaal)	**–**	**HIN-III E-1** प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन (Functional Hindi : Translation and Letter Writing)	**HIN-III E-2** मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ) (Medieval Poetry- selective poems)	**HIN-III E-3** हिन्दी महिला लेखन (Hindi Mahila Lekhan)	**HIN-III E-4** हिन्दी दलित लेखन (study of Hindi Dalit lekhan)
Semester IV	**HIN-IV.C-6** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (History of Hindi literature – modern era	**–**	**HIN-IV.E-5** हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक (Hindi Journalism- Print and Electronic Media)	**HIN-IV.E-6** विशेष अध्ययन: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (special study of poet – Suryakant Tripathi Nirala)	**HIN-IV.E-7** विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी (Special study of Hindi Story)	**HIN-IV.E-8** हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवंउपन्यास) (Appreciation of Hindi Literature and review of poems, stories and novels)
Semester V	**HIN-V.C-7** भारतीय	**–**	**HIN-V. E-9** कथेतर गद्य साहित्य:	**HIN-V.E-10** विशेष	**HIN-V.E-11** मीडिया	**HIN-V.E-12** हिंदी नाटक

	काव्यशास्त्र (Indian poetics)		रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक) Kathetar gadya sahitya : sansmaran , yatravrutaant, evam jivni	अध्ययन:हिन्दी उपन्यास (A study of Hindi Novel)	लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन Media writing – Radio and Television	(Hindi Drama)
Semester VI	**HIN-VI.C-8** पाश्चात्य काव्यशास्त्र (western poetics)	**–**	**HIN-VI.E-13** हिंदी निबंध (Hindi essay)	**HIN-VI.E-14** भाषाविज्ञान (linguistics)	**HIN-VI.E-15** हिंदी भाषा,लिपि एवं व्याकरण (Hindi language, script and grammar)	**HIN-VI.E-16** साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन (Sahitya ka Antaranushasnatmak Adhayayn)

OPOTIONAL PAPER	
Semester I	**FC-HIN.1** भाषा कौशल (Skills of language)
Semester II	**FC-HIN.2** व्यावहारिक हिन्दी (Functional/ Vyavaharik Hindi)
SKILL ENHANCEMENT COURSE	
Semester-III	**HIN-III.SEC-1** हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक) (Hindi Street Play)
Semester-IV	**HIN-IV.SEC-2** हिन्दी एकांकी (Hindi One act Play)

PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE AUTONOMOUS

DEPARTMENT OF HINDI

REVISED SYLLABUS OF B.A
SYLLABI OF SEMESTER I TO VI -ACADEMIC YEAR- 2020-2021

F.Y.B.A - (Semester – I)
Core Paper

Paper Title: हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन

Paper Code: HIN -I.C-1
Name of the Faculty: Mr. Pradeep Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
प्रारंभिक कहानियों से लेकर वर्तमान समय तक लिखी जाने वाली कहानियों की विद्यार्थियों को जानकारी देना। ये कहानियाँ वर्तमान एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी होने के साथ ही मूल्यनिष्ठ कहानियाँ हैं। इसके साथ ही विद्यार्थियों को व्याकरण की भी जानकारी देनी है।

Course Outcome:

1) छात्रों को कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी।
2) कहानियों के माध्यम से छात्र जीवन मूल्यों से परिचित एवं प्रभावित होंगे तथा उनमें संघर्ष भावना एवं आत्मविश्वास पैदा होगा।
3) छात्र व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे और व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।

Syllabus:
कहानी संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कहानी संग्रह)

व्याकरण: शब्द के भेद, वर्तनी एवं शुद्धलेखन, शब्दयुग्म, मुहावरे, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, कारक का सामान्य परिचय।

इकाई विभाजन:

इकाई एक : (15 Lectures)

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'।
2. बड़े भाई साहब- प्रेमचंद।

3. परदा- यशपाल।

इकाई दो : (15 Lectures)

4. मलबे का मालिक- मोहन राकेश।
5. गोपाल को किसने मारा- मन्नू भण्डारी।
6. मुखौटा - ममता कालिया

इकाई तीन : (15 Lectures)

7. चीफ़ की दावतभीष्म साहनी। -
8. दिल्ली में एक मौत कमलेश्वर। -
9. अपनी वापसी- चित्रा मुद्गल।

इकाई चार : शब्द साधन (15 Lectures)

1. शब्द के भेद।
2. वर्तनी एवं शुद्धलेखन।
3. शब्दयुग्म।
4. मुहावरे।
5. पर्यायवाची शब्द।
6. वाक्यांश के लिए एक शब्द।
7. कारक का सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. नामवर सिंह, 'कहानी नयी कहानी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
2. मधुरेश, 'हिन्दी कहानी का इतिहास' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014
3. गोपालराय,'हिन्दी कहानी का इतिहास',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2018
4. रामचंद्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य',विश्वविद्यालय प्रकाशन 2016
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई एक) (10)

प्रश्न 3 : टिप्पणियाँ/ संदर्भ सहित व्याख्या (10)

प्रश्न 4. व्याकरण (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – I)
Core Paper

Paper Title: हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य

Paper Code: HIN-I.C-2
Name of the Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

मध्ययुगीन एवं आधुनिक कवियों एवं कविताओं की विद्यार्थियों को जानकारी देना। साथ ही काव्य सौंदर्य के अंतर्गत अलंकार, छंद एवं समास की जानकारी देना।

Course Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से -

1) विद्यार्थी मध्ययुगीन एवं आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी।
3) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे।
4) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।

Syllabus:

कविता संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा

(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कविता संग्रह)

काव्य सौंदर्य: अलंकार, छंद एवं समास

इकाई विभाजन:

इकाई एक : **(15 Lectures)**

1. कबीर बानी। (10 दोहे)
2. सूर के पद । (5 पद)
3. रामराज्य वर्णन। (तुलसीदास, आरंभ के 5 दोहे एवं चौपाइयां)

इकाई दो : **(15 Lectures)**

1. रहीम के दोहे- रहीम।
2. जूही की कली- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।
3. सवेरे उठा तो धूप खिली थी- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

इकाई तीन : **(15 Lectures)**

1. बीस साल बाद- सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'।
2. बेजगह- अनामिका।
3. प्रेत का बयान- नागार्जुन

इकाई चार : काव्यसौंदर्य। **(15 Lectures)**

क) अलकार - i)शब्दालंकार -अनुप्रास, यमक, श्लेष।

ii) अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा।

ख) छंद- i) मात्रिक छंद- दोहा, सोरठा, चौपाई।

ii) वर्णिक छंद- इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया।

ग) समास।

संदर्भ ग्रंथ

1. रामस्वरूप चतुर्वेदी, 'हिन्दी कवि का इतिहास',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. देवेन्द्रनाथ शर्मा,'काव्य के तत्व', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, 'मध्यकालीन बोध का स्वरूप', राजकमल प्रकाशन,2003
4. रामबहोरी शुक्ल, 'हिन्दी प्रदीप' हिन्दी भवन, इलाहाबाद, 2010
5. भगीरथ मिश्र-'काव्यशास्त्र',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी कविता एवं काव्य सौन्दर्य

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) 20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई एक) (10)

प्रश्न 3: संदर्भ सहित व्याख्या (10)

प्रश्न 4 : व्याकरण (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)

Core Paper

Paper Title: हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म

Paper Code: HIN-II.C-3

Name of Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objective

शंकर शेष का नाटक 'एक और द्रोणाचार्य' के माध्यम से नाटक का परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को आज की शिक्षा व्यवस्था की वास्तविकता का परिचय कराना। साथ ही वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म लेखन के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा से परिचित होंगे।
2) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक एवं नाटककार शंकर शेष के रचना संसार से परिचित होंगे।
3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी।
4) वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की वास्तविकता का परिचय होगा।

5) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।

Syllabus:

1. जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई - शंकर शेष

2. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म।

इकाई विभाजन:

इकाई - 1. : **(15 Lectures)**

1. नाटक की अवधारणा।
2. नाटक का स्वरूप।
3. नाटक के तत्त्व।

इकाई - 2. 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का पाठ्यालोचन। **(15 Lectures)**

इकाई - 3. 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई का समीक्षात्मक अध्ययन। **(15 Lectures)**

इकाई - 4. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म। **(15 Lectures)**

1. वृत्तचित्र की अवधारणा एवं विशेषताएँ।
2. फीचर फिल्म की अवधारणा एवं विशेषताएँ।
3. वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म में अंतर।

संदर्भ ग्रंथ

1. दशरथ ओझा, 'हिन्दी नाटक का विकास',राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली,2003
2. साठोत्तर हिन्दी नाटक-के. वी. नारायण कुरूप लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
3. समकालीन फिल्मों के आईने में समाज-सत्यदेव त्रिपाठी शिल्पायन प्रकाशन,दिल्ली, 2013
4. साहित्य और सिनेमा -सं.डॉ.शैलजा भारद्वाज,चिंतन प्रकाशन,कानपुर, 2013
5. सिनेमा और साहित्य- हरीश कुमार संजय प्रकाशन,दिल्ली,2010
6. मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2002

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi
हिन्दी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ नाट्य प्रस्तुतीकरण (Paper/Drama Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या/ (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)
Core Paper

Paper Title: हास्य - व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता
Paper Code: HIN-II.C-4

Name of Faculty: Mr.Pradeep jatal
Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objectives:
भारतेन्दु युग से लेकर अब तक के हास्य- व्यंग्य निबंधों से विद्यार्थियों का परिचय कराना, ताकि वे हास्य-व्यंग्य निबंधोः की गंभीरता एवं वैचारिकता को समझ सकें। साथ ही पत्रकारिता की जानकारी से विद्यार्थी रोजगार से जुड़ सकेंगे।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होंगे।
2) हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे।
3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।

Syllabus: **हिंदी हास्य-व्यंग्य निबंध संग्रह-** हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा (बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित निबंध संग्रह)
पत्रकारिता: सामान्य परिचय, भेद, उपयोगिता और महत्त्व।

इकाई एक - **(15 Lectures)**

4. हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
5. हास्य एवं व्यंग्य के तत्त्व।
6. हास्य एवं व्यंग्य में अंतरसंबंध।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. नया साल- अमृतराय।
2. अपना मकान- इंद्रनाथ मदान।
3. पगडंडियों का जमाना- हरिशंकर परसाई।
4. मोची भया उदास -प्रेम जनमेजय

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

5. अध्यक्ष महोदय -शरद जोशी ।
6. घूस एक चिकनाई है- रवीद्र कालिया।
7. धमाका- अभिमन्यु अनत।
8. अच्छी हिन्दी - रवीन्द्र नाथ त्यागी

इकाई चार - **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय।
2. पत्रकारिता के भेद।
3. पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व। **(15 Lectures)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी,'हिन्दी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य',अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर,1978
2. डॉ. प्रेमनारायन टंडन,'हिन्दी साहित्य में हास्य-व्यंग्य',हिन्दी साहित्य भंडार,लखनऊ,1975
3. डॉ. उषा शर्मा,'हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य',आत्माराम एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1985
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2007
5. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
6. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi
हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEC)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – I)
<u>Optional Paper</u>

Paper Title: व्यावहारिक हिन्दी

Paper Code:
Name of the Faculty: Mr. Pradeep Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
आज साहित्यिक हिन्दी के साथ – साथ उसका व्यावहारिक रूप उभरकर सामने आ रहा है। उदाहरण के रूप में बैंक के क्षेत्र में, रेल विभाग में, रेडियो, दूरदर्शन तथा विभिन्न जनसंचार माध्यमों में हिन्दी के व्यावहारिक रूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) विविध क्षेत्रों में व्यावहारिक हिन्दी के प्रयोग से परिचित होंगे।
3) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे।
4) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे।
5) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।

पाठ्यक्रम एवं इकाई विभाजन

इकाई एक : व्यावहारिक हिन्दी का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं व्याप्ति (15 Lectures)

1. व्यावहारिक एवं साहित्यिक हिंदी: सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
3. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा (सामान्य परिचय)।

इकाई दो : व्यावहारिक हिन्दी के विविध क्षेत्र :सामान्य परिचय (15 Lectures)

कार्यालयीन पत्राचार- 1.आवेदन पत्र।
2. अनुस्मारक।
3. शिकायती पत्र।

4. बधाई पत्र।

इकाई तीन : अनुवाद (15 Lectures)

1. अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप।
2. अनुवाद की प्रक्रिया।
3. अनुवाद के प्रकार।
4. अनुवाद की उपयोगिता।

इकाई चार : हिन्दी व्याकरण (15 Lectures)

1. मानक वर्तनी लेखन।
2. वाक्य विन्यास।
3. लिंग।
4. वचन।
5. कारक।
6. उपसर्ग।
7. प्रत्यय।

(सामान्य परिचय एवं प्रयोग**)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi
व्यावहारिक हिन्दी

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना/साक्षात्कार (Assignment/interview) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. लिखित परीक्षा (Written Test) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEC)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)
<u>Optional Paper</u>

Paper Title: भाषा कौशल
Paper Code:
Name of the Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल की वृद्धि कराना है। संगणक युग में भी भाषण, लेखन वाचन, लेखन कौशल बना रहे, इस दिशा में प्रयत्न कराना है। उन्हें क्रमश: इन चार कौशलों के माध्यम से उस सोपान तक ले जाना है, जहाँ वे हिन्दी भाषा का प्रयोग एवं लेखन सही ढंग से कर सकें।

Course Outcome:

1) भाषण-कला विकसित होगी।
2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा।
3) वाचन-कौशल पैदा होगा।
4) लेखन-कला विकसित होगी।
5) हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।

Syllabus:

इकाई एक -भाषा-कौशल: सामान्य परिचय एवं भाषा-कौशल का महत्त्व (15 Lectures)

इकाई दो- भाषण एवं श्रवण कौशल। (15 Lectures)

1. भाषण एवं श्रवण कौशल का स्वरूप।
2. भाषण एवं श्रवण कौशल का महत्त्व।
3. भाषण एवं श्रवण कौशल के उद्देश्य।
4. भाषण एवं श्रवण कौशल की विशेषताएँ।
5. भाषण एवं श्रवण कौशल को बेहतर करने के उपाय।

इकाई तीन- वाचन कौशल। (15 Lectures)

1. वाचन कौशल का स्वरूप।
2. वाचन कौशल का महत्त्व।
3. वाचन कौशल के उद्देश्य।
4. वाचन कौशल की विशेषताएँ।
5. वाचन कौशल को बेहतर करने के उपाय।

इकाई चार- लेखन कौशल। (15 Lectures)

1. लेखन कौशल का स्वरूप।
2. लेखन कौशल का महत्त्व।
3. लेखन कौशल के उद्देश्य।
4. लेखन कौशल की विशेषताएँ।

5. लेखन कौशल को बेहतर करने के उपाय।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी का सही प्रयोग – नीलम मान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, 2013
3. ईश्वरचंद राही, 'लेखन कला का इतिहास',उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनऊ,1983
4. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
5. शशिबाला-'हिन्दी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2006

नोट : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से व्यावहारिक कार्य कराया जाएगा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

भाषा कौशल

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. साक्षात्कार (Interview) (20)

2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. कहानी लेखन (Story writing) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : निबंध लेखन (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
Course Code: HIN-III C.5
Name of the Faculty: Dr.O.P. Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

प्रारंभ से लेकर रीतिकाल तक हिन्दी साहित्य के इतिहास की विद्यार्थियों को जानकारी देना। इससे विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि आज हिन्दी का जो स्वरूप है, उसका प्रारंभिक रूप किस प्रकार का था। वे प्राचीन हिन्दी भाषा और विशेष रूप से प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य से परिचित होंगे।

Course Outcome:

1) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे।
3) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
4) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।

Syllabus:

इकाई **एक -आदिकाल** **(15 Lectures)**

आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई **दो- निर्गुण भक्तिधारा** **(15 Lectures)**

भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और संत एवं सूफी धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई **तीन- सगुण भक्तिधारा** **(15 Lectures)**

राम एवं कृष्ण भक्ति काव्य धारा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां।

इकाई **चार - रीति काल** **(15 Lectures)**

रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

संदर्भ ग्रंथ:

1) डॉ. बच्चन सिंह,हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2015
2) डॉ. विजयपाल सिंह,हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2011
3) डॉ. रामकुमार वर्मा,हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2010
4) डॉ.नगेन्द्र,हिन्दी साहित्य का इतिहास,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,दिल्ली,2014
5) आचार्य रामचंद्र शुक्ल,हिन्दी साहित्य का इतिहास,प्रभात प्रकाशन,दिल्ली,2006
6) डॉ. शिवकुमार शर्मा,हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई सड़क,दिल्ली,1986

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Elective Course

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन
Course Code: HIN-III. E-1
Name of the Faculty: Mr. Pradeep Rangrao Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
आजका युग आधुनिकीकरण,निजीकरण और भूमंडलीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में हिन्दी की भूमिका केवल साहित्यिक हिन्दी तक सीमित न रहकर नए ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों से गुजर रही है। इन क्षेत्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी की अहम भूमिका है। अनुवाद और पत्रलेखन का महत्व तथा उसकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर इन क्षेत्रों में बढ़ते अवसरों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) विद्यार्थी अनुवाद कार्य में निपुण होंगे।
4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे

Syllabus:

इकाई एक- (15 Lectures)

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का सामान्य परिचय।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध क्षेत्र
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और रोजगार के अवसर

इकाई दो - (15 Lectures)

1. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास।
2. राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधान

इकाई तीन - अनुवाद लेखन (15 Lectures)

1. अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप
2. अनुवाद के प्रकार।
3. कार्यालयीन अनुवाद
4. व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद
5. साहित्यिक अनुवाद
6. ई अनुवाद
7. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

इकाई चार- पत्र-लेखन (15 Lectures)

1. व्यावसायिक पत्र-लेखन: पूछताछ, क्रयादेश, अनुस्मारक।
2. कार्यालयीन पत्रलेखन: कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यवृत्त।

संदर्भग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. अर्जुन चव्हाण,मीडिया कालीन हिन्दी:स्वरूप और संभावनाएँ,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2005
6. जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi
प्रयोजनमूलक हिन्दी : अनुवाद एवं पत्रलेखन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. लिखित परीक्षा (written Test) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 3 अनुवाद लेखन (10)

प्रश्न4 पत्रलेखन (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Elective Course

Course Title: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)
Course Code: HIN-III E-2
Name of the Faculty: Pradeep Rangrao Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
विद्यार्थियों को मध्यकालीन परिस्थितियों से अवगत कराते हुए तत्कालीन कवियों से परिचित कराना। साथ ही रीतिकाल की कुछ प्रमुख शृंगारिक रचनाओं के माध्यम से यह बताना कि रीतिकालीन कविताएँ किस प्रकार दरबारी संस्कृति से जुड़ गई।

Course Outcome:

1) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे।
2) सगुण भक्ति काव्य परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे।
3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे।
4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई **1.** कबीर और जायसी। **(15 Lectures)**

इकाई **2.** सूरदास और तुलसीदास। **(15 Lectures)**

इकाई **3.** रसखान और मीराबाई। **(15 Lectures)**

इकाई **4.** बिहारी और घनानन्द। **(15 Lectures)**

(प्रत्येक के 10 दोहे एवं 5 पदों की व्याख्या)

संदर्भ ग्रंथ-

1) विश्वंभर 'मानव', 'प्राचीन कवि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2009
2) सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,*जायसी ग्रंथावली*- ना.प्र.स., वाराणसी,1995
3) विश्वनाथ त्रिपाठी, 'मीरा का काव्य,' वाणी प्रकाशन-21-ए,दरियागंज,नयी दिल्ली,2010
4) श्री. जगन्नाथदास 'रत्नाकर', 'बिहारी रत्नाकर,' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2015
5) डॉ. शिवकुमार शर्मा, 'हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ', अशोक प्रकाशन,नयी सड़क,दिल्ली,1986

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi
मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएं)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीयप्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्रप्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Elective Course

Course Title: हिन्दी महिला लेखन
Course Code: HIN-III E-3
Name of the Faculty: Dr.O.P. Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
हिन्दी में महिला लेखन अपने से पूर्व के साहित्य से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे।
2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे।
3) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।
4) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।

Syllabus :
इकाई एक -महिला लेखन की अवधारणा, पृष्ठभूमि, स्वरूप एवं विकास। (15 Lectures)

इकाई दो - तीन चयनित कहानियाँ। (15 Lectures)

1. तीसरा हिस्सा- मन्नू भण्डारी।
2. महानगर की मैथिली- सुधा अरोड़ा।
3. वापसी- उषा प्रियंवदा।

इकाई तीन - तीन चयनित कहानियाँ। (15 Lectures)

4. मामला आगे बढ़ेगा अभी - चित्रा मुद्गल।
5. फैसला - मैत्रैयी पुष्पा।
6. देशांतर – सुदर्शन प्रियदर्शिनी

इकाई चार- छह चयनित कविताएँ। (15 Lectures)

1. स्त्रियाँ -अनामिका।
2. चिड़ियाँ की आँख से- निलेश रघुवंशी।
3. घर की चौखट से बाहर- सुशीला टाकभोरे।
4. सात भाइयों के बीच चंपा- कात्यायनी।
5. अहल्या- प्रभा खेतान।
6. क्या तुम जानते हो - निर्मला पुतुल

संदर्भ ग्रंथ:

1) सरला माहेश्वरी,*नारी प्रश्न*, राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2007
2) क्षमा शर्मा, 'स्त्रीत्ववादी विमर्श: समाज और साहित्य',राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2008
3) माधुरी छेड़ा,'आधुनिक कथा साहित्य में नारी:स्वरूप और प्रतिमा',अरविंद प्रकाशन,बंबई,1994
4) कुमार राधा, 'स्त्री संघर्ष का *इतिहास*', नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2002

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi
हिन्दी महिला लेखन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक :60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)
पूर्णांक 40
समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)
प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Elective Course

Course Title: हिंदी दलित लेखन
Course Code: HIN-III E-4
Name of the Faculty: Dr.O. P. Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

हिन्दी में दलित लेखन साहित्य की मुख्य धारा से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।
2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे।
3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे।
4) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।

Syllabus:

इकाई 1. दलित लेखन की अवधारणा, स्वरूप, पृष्ठभूमि एवं विकास। (15 Lectures)

इकाई **2.** तीन चयनित दलित कहानियाँ। (15 Lectures)

कंवल भारती,
सुशीला टाकभोरे,
रमणिका गुप्ता

इकाई **3.** तीन चयनित दलित कहानियाँ। (15 Lectures)

ओमप्रकाश वाल्मीकि
मोहनदास नैमिषराय
जयप्रकाश कर्दम

इकाई **4.** छह चयनित दलित कविताएँ। (15 Lectures)

अदम गोंडवी
हीरा डोम
सुरजपाल चौहान
ओमप्रकाश वाल्मीकि

रमणिका गुप्ता
जयप्रकाश कर्दम

संदर्भ ग्रंथ-

1) तेज सिंह,*आज का दलित साहित्य*, अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2002
2) डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, 'चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य',नवलेखन प्रकाशन, बिहार,2001
3) डॉ.पुरुषोतम सत्यप्रेमी, 'दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में', कामना प्रकाशन दिल्ली,1999
4) डॉ. जयप्रकाश कर्दम 'दलित साहित्य', अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2003
5) डॉपुरुषोतम सत्यप्रेमी., 'दलित साहित्य रचना और विचार', अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2001

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

S.Y.B.A - (Semester – IV)

<u>Core Course</u>

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
Course Code: HIN-IV.C-6
Name of the Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता के इतिहास से परिचित कराना। उन्हें यह बताना कि अपनी किन विशिष्टताओं के कारण आधुनिक काल की कविता और उसके कवि सीधे समाज और राष्ट्र प्रेम से जुड़े।

Course Outcome:

1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश से परिचित होंगे।
2) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
4) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. भारतेन्दुयुगीन कविता।
2. द्विवेदी युगीन कविता।
3. छायावादी कविता।
4. राष्ट्रीय सांस्कृतिक कविता

इकाई दो - (15 Lectures)

1. प्रगतिवादी कविता।
2. प्रयोगवादी कविता।
3. नई कविता।
4. साठोत्तरी एवं समकालीन कविता

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. हिन्दी कहानी का विकास।
2. हिन्दी उपन्यास का विकास।

इकाई चार - (15 Lectures)

1. हिन्दी नाटक का विकास।
2. हिन्दी निबंध का विकास।

(उपरोक्त काव्य धाराओं/ विधाओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ)

संदर्भ

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2003
2. डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2002
3. डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, *'हिन्दी साहित्येतिहास'* अटलांटिक प्रकाशन एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली,1989
4. राजनाथ शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास'* विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,1978

5. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्यका इतिहास*', नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली,1973

6. डॉ.शिवकुमार शर्मा, '*हिन्दी साहित्य:युग और प्रवृत्तियाँ*', अशोक प्रकाशन, नयी सड़क, दिल्ली,1970

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

आंतरिकमूल्यांकन:

पूर्णांक :60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)

3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Elective Course

Course Title: हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक
Course Code: HIN-IV.E-5
Name of the Faculty: P. R. Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) मुद्रित माध्यमों में रोजगार के अवसरों की विद्यार्थियों को जानकारी देना।
3) इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की बढ़ती व्याप्ति को समझते हुए उसमें प्राप्त रोजगार संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे।
2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों को समझेंगे।
3) पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा।
4) विद्यार्थियों में रेडियो पत्रकारिता, टेलीविजन पत्रकारिता एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।

Syllabus :

इकाई एक- पत्रकारिता का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं महत्त्व (15 Lectures)

इकाई दो - (15 Lectures)

1. पत्रकारिता के विविध प्रकार (खेल पत्रकारिता, मनोरंजन पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता)।
2. माध्यम के आधारपर प्रकार (प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक)
3. पत्रकारिता संबंधी कानून।

इकाई तीन- हिन्दी मुद्रित पत्रकारिता का उद्भव और विकास (15 Lectures)

1. स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी पत्रकारिता।
2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता।
3. संचार क्रांति के बाद की पत्रकारिता।

इकाई चार - हिन्दी की इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता। (15 Lectures)

क) रेडियो पत्रकारिता
ख) टी. वी. पत्रकारिता
ग) इंटरनेट पत्रकारिता
घ) सोशल मीडिया (फेसबूक, ट्विटर, वाट्सएप, ब्लॉग, यूट्यूब)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कैलाशनाथ पाण्डेय,'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007

2. डॉ.अंबादास देशमुख,'प्रयोजनमूलक हिन्दी के अधुनातन आयाम',शैलजा प्रकाशन,कानपुर,2006

3.डॉ.रामप्रकाश,डॉ. दिनेशगुप्त, 'प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी',राधाकृष्णप्रकाशन, नईदिल्ली,2014

3. एन. सी. पंत, 'पत्रकारिता का इतिहास' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली,2002

4. सविता चड्ढा,'हिन्दी पत्रकारिता: सिद्धान्त और स्वरूप' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली,1995

5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ. रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'* समवेत प्रकाशन, रामबाग ,कानपुर,2005

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi
हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न(2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Course Code: HIN-IV.E-6
Name of the Faculty: Dr. OmprakashTripathi
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के समग्र जीवनवृत्त एवं साहित्य से परिचित कराना। विद्यार्थियों को यह बताना कि निराला किस प्रकार छायावादी अन्य कवियों से अलग और महत्वपूर्ण थे।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे।
3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे।
4) निराला के साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. निराला का जीवन वृत्त।
2. निराला की काव्य दृष्टि।

3. निराला का गद्य साहित्य।

इकाई दो - (15 Lectures)

1. गीतिका के पद
2. बाँधो न नाव इस ठाव
3. जागो फिर एक बार।(कोई एक खंड)
4. सखी,वसंत आया।

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. दान।
2. स्नेह निर्झर बह गया है।
3. बादल राग।(कोई एक खंड)
4. संध्या सुंदरी

इकाई चार- (15 Lectures)

'बिल्लेसुर बकरिहा' रेखाचित्र का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. नंदकिशोर नवल, *'निराला रचनावली-1'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
2. नंदकिशोर नवल, *'निराला रचनावली-2'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
3. बच्चन सिंह, *'आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007
4. प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित,'*निराला समग्र'*, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ,2015
5. डॉ. फणीश सिंह,'*हिन्दी साहित्य-एक परिचय'*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2006

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी
Course Code: HIN-IV.E-7
Name of the Faculty: P. R. Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) विद्यार्थियों को कहानी एवं उसके इतिहास से परिचित कराना।
3) विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रमुख कहानिकारों का परिचय कराना।

Course Outcomes:

1) विद्यार्थी हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे।
2) प्रेमचंद की कहानी कला से परिचित होंगे।
3) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

इकाई **एक -** (15 Lectures)

कहानी: स्वरूप एवं तत्त्व।

इकाई **दो** - मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. ईदगाह
2. रामलीला
3. सद्गति

इकाई तीन- फणीशवरनाथ रेणु की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. पंचलाइट
2. लालपान की बेगम
3. ठेस

इकाई **चार**- सूर्यबाला की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. आखिरी विदा
2. बाऊजी और बंदर
3. होगी जय, होगी जय...हे पुरुषोत्तम नवीन!

संदर्भ ग्रंथ-

1. गोपाल राय,'*हिन्दी कहानी का इतिहास*,'राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2008

2. बच्चन सिंह,'*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'* ,राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004

3. रामस्वरूप चतुर्वेदी,*'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2005

4. डॉ.सूर्यबाला की 21 श्रेष्ठ कहानियाँ, डायमंड पब्लिकेशन,दिल्ली

5. डॉ. फणीश सिंह,'*हिन्दी साहित्य: एक परिचय*,राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2006

6. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्यका इतिहास*', नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली,1973

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्यपरियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)
प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - IV)
Elective Course

Paper Title: हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास)
Paper Code: HIN-IV.E-8
Name of the Faculty: Dr.O. P. Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) चयनित हिन्दी साहित्यका संकलन एवं विश्लेषण कराना।
2) हिन्दी साहित्यिक परंपरा का अभ्यास कराना।
3) हिन्दी साहित्य पर प्रपत्र बनाने का अभ्यास कराना।
4) हिन्दी साहित्य का आस्वादन, समीक्षा और शोध कार्य हेतु प्रवृत्त कराना।

Course Outcomes:

1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे।
4) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे।
5) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई **एक -** (15 Lectures)

समीक्षा का अर्थ, स्वरूप एवं आधार.

इकाई **दो -कविता** (15 Lectures)

कैदी और कोकिला – माखनलाल चतुर्वेदी।
यशोधरा (कुछ अंश)- मैथिलीशरण गुप्त

इकाई **तीन- कहानी** (15 Lectures)

पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद
यही सच है – मन्नू भंडारी।
कर्मनाशा की हार- शिवप्रसाद सिंह

इकाई **चार- उपन्यास** (15 Lectures)

त्यागपत्र - जैनेन्द्र।

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली। संस्करण-2016
2. हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। संस्करण-2014
3. डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, '*समीक्षा के विविध रंग*, विद्या प्रकाशन, कानपुर,2014
4. डॉ. मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे,'*अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया*'विद्या प्रकाशन, कानपुर,2013
5. अभिलाषा दिवाकर, '*शोध कैसे करें*, मार्क पब्लिशर, जयपुर,2014

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी, एवं उपन्यास)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)
प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
<u>Core Course</u>

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र
Course Code: HIN-V.C-7

Name of the Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी देना। भारतीय आचार्यों के चिंतन का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही हिन्दी के आधुनिक आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन की जानकारी देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।
4) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. काव्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
2. काव्य के भेद।
3. काव्य के तत्व।
4. काव्य के हेतु।
5. काव्य प्रयोजन।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. रस सिद्धान्त- स्वरूप, अवयव और उसके भेद।
2. अलंकार सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. ध्वनि सिद्धान्त- सामान्य परिचय।
2. रीति सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. वक्रोक्ति सिद्धान्त- सामान्य परिचय।
2. औचित्य सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भगीरथ मिश्र, ‘ काव्यशास्त्र’ विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी, 1970

2. डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी, '*काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य',* आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
3. जयचंद्र राय, '*आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: सिद्धान्त और साहित्य',* भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली,1963
4. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित, *'रस सिद्धान्त:स्वरूप-विश्लेषण'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1972
5. डॉ. संजय नवले,*'साहित्यशास्त्र',* दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर, 2009
6. बलदेव उपाध्याय, 'भारतीय साहित्यशास्त्र', प्रसाद परिषद, काशी, 1955

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi
भारतीय काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी
(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)

Course Code: HIN-V.E-9
Name of the Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम से हिन्दी गद्य की मुख्य विधा के अलावा विद्यार्थियों को अन्य विधाओं की जानकारी देना। इनमें मुख्य विधाएँ हैं- संस्मरण साहित्य, यात्रा साहित्य, आत्मकथा साहित्य एवं जीवनी साहित्य। इन विधाओं में आज काफी लेखन कार्य हो रहा है, इसकी उन्हें जानकारी देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे।
2) रेखाचित्र, संस्मरण और यात्रा-वृतांत लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे।
4) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य: अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

संस्मरण एवं यात्रा वृतांत का उद्भव एवं विकास।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य का उद्भव एवं विकास।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक: माटी की मूरतें- रामवृक्ष बेनीपुरी (चयनित)।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. शांति खन्ना, '*आधुनिक हिन्दी का जीवनीपरक साहित्य*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलो रोड, दिल्ली,1973
2. डॉ. संजय नवले,*'साहित्यशास्त्र',* दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स,कानपुर, 2009
3. डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2002
4. डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
5. डॉ. सुधाकर कलवडे, *'साहित्यशास्त्र परिचय',* पुस्तक संस्थान नेहरू नगर, कानपुर, 1985

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण,यात्रा,वृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी

(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2)	(10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2)	(10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1)	(10)
प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या	(10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास
Course Code: HIN-V.E-10
Name of the Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास का स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी उपन्यास के विकासक्रम की जानकारी देना। साथ ही उपन्यासकारों के उद्देश्य को उन तक पहुँचाना।

Course Outcome:

1) उपन्यास के स्वरूप एवं तत्व को समझेंगे।

2) उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे।
3) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे।
4) 'दौड़' की मूल संवेदना से परिचित होंगे।
5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

उपन्यास: स्वरूप एवं तत्व।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

निर्मला – मुंशी प्रेमचंद।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

दौड़ – ममता कालिया

इकाई चार- **(15 Lectures)**

निर्धारित उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. रामलखन शुक्ल, '*हिन्दी उपन्यास कला*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलौ रोड, दिल्ली, 1972
2. डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, *'हिन्दी साहित्य:प्रकीर्ण विचार'*, शोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली, 1967
3. डॉ. रामनारायण सिंह, *'मधुर हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास'*, ग्रंथम, रामबाग, कानपुर, 1971
4. डॉ. ज्ञान अस्थाना, '*हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1979
5. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, '*हिन्दी कथा साहित्य*', हिन्दी ग्रंथ-रत्नाकर कार्यालय, बंबई, 1954

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi
विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन

Course Code: HIN-V.E-11
Name of the Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना। विशेष रूप से रेडियो एवं टेलीविज़न से संबंधित लेखन से उन्हें अवगत कराना, क्योंकि आज रेडियो एवं टेलीविज़न मीडिया का सशक्त माध्यम बन गया है।

Course Outcome

1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे।
3) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा।
4) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 lectures)**

मीडिया लेखन : स्वरूप, सिद्धान्त एवं महत्त्व।

इकाई दो - **(15 lectures)**

1. रेडियो लेखन के सिद्धान्त।
2. रेडियो लेखन के प्रकार: समाचार लेखन, रेडियो वार्ता, भेंट वार्ता, चर्चा-परिचर्चा, रेडियो नाटक,संचालन कला (रेडियो जॉकी)

इकाई तीन - **(15 lectures)**

1. टेलीविज़न लेखन के सिद्धान्त।
2. टेलीविज़न लेखन के प्रकार: समाचार लेखन, साक्षात्कार, धारावाहिक, वेबसीरीज लेखन।

इकाई चार - रेडियो और टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक रूप का अध्ययन **(15 lectures)**

1. रेडियो वार्ता लेखन।
2. संवाद लेखन।
3. दृश्य रूपान्तरण।
4. भेंट-वार्ता।
5. रेडियो समाचार लेखन।
6. रेडियो विज्ञापन लेखन।
7. टेलीविज़न विज्ञापन लेखन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. अंबादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी:अधुनातन आयाम'* , शैलजा प्रकाशन, कानपुर,2006
2. सं. डॉ. सुभाष तलेकर, '*रोजगाराभिमुख हिन्दी : दिशाएँ एवं संभावनाएँ*', नंदादीप प्रकाशन, पुणे, 2010
3. डॉ॰ सुजाता वर्मा, *'पत्रकारिता और मीडिया,'* विकास प्रकाशन, कानपुर, 2016
4. रामशरन जोशी, '*मीडिया विमर्श*', सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2002
5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ.रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, समवेत, रामबाग, कानपुर, 2005

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविज़न

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. फिल्म/विज्ञापन /प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Film/Advertisement/Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)
पूर्णांक : 40
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)
प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: हिंदी नाटक
Course Code: HIN-V.E-12
Name of the Faculty: Dr. Omprakash Tripathi
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना। उन्हें नाटक के उद्भव एवं विकास की जानकारी देना। साथ ही एक नाटक का अध्ययन कराना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।
2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
3) अभिनय कौशल का विकास होगा।
4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी।
5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. नाटक: स्वरूप एवं तत्त्व।
2. भारतीय नाट्य परंपरा।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

हिन्दी रंगमंच का विकास।

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश (पाठालोचन)

इकाई चार- **(15 Lectures)**

आषाढ़ का एक दिन का तात्विक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. डॉ. सविता चौधरी, *'साठोत्तरी हिन्दी नाटक',* विद्या प्रकाशन गुजैनी, कानपुर, 2012
5. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
6. डॉ. बच्चन सिंह, *'हिन्दी नाटक',* साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद,1958

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi
हिन्दी नाटक

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. नाट्य/प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Drama /Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
<u>Core Course</u>

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र
Course Code: HIN-VI.C-8
Name of the Faculty: Mr. Pradeep Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को प्रमुख पाश्चात्य विचारकों से परिचित कराना। विद्यार्थियों को पाश्चात्य विचारकों के सिद्धांतों और वादों की जानकारी देना और साथ ही उन्हें आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

Course Outcome:

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।
3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा की विविध प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Lectures)**

1. प्लेटो।
2. अरस्तू।

इकाई दो - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Lectures)**

1. मैथ्यू आरनाल्ड।
2. टी.एस. इलिएट।

इकाई तीन- प्रमुख पाश्चात्य सिद्धान्त **(15 Lectures)**

1. अभिजात्यवाद।
2. मार्क्सवाद।

इकाई चार- आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त **(15 Lectures)**

1. संरचनावाद।
2. उत्तर संरचनावाद।

संदर्भ ग्रंथ:

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, ए95-, सेक्टर5-, नोएडा201301-
2. पाश्चात्य काव्य चिंतन, डॉ॰ करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा॰ लि॰, नई दिल्ली।
3. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा*, संडॉ.नगेन्द्र ., डॉसावित्री सिन्हा., दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,1966
4. *पाश्चात्य काव्यशास्त्रअधुनातन संदर्भ :, सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश, संस्करण-2003*
5. *नया हिन्दीकाव्य-,* डॉशिव कुमार मिश्र ., अनुसंधान प्रकाशन, आचार्यनगर, कानपुर, 1962
6. *काव्यशास्त्र :भारतीय एवं पाश्चात्य,* डॉकन्हैयालाल अवस्थी ., आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
7. *नया साहित्य नए प्रश्न,* नन्ददुलारे वाजपेयी, विद्यामन्दिर प्रेस, मानमंदिर, वाराणसी, 1959
8. *साहित्य समीक्षा,* मुद्रारक्षस, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963
9. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत,* शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण1997-।

******

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक:40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Elective Course

Course Title: हिंदी निबंध
Course Code: HIN-VI.E-13
Name of the Faculty: Mr. Pradeep Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी निबंध के स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी निबंध के क्रमिक विकास से परिचित कराना। साथ ही एक निबंध संग्रह के अध्ययन के माध्यम से निबंध विधा की जानकारी देना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप एवं तत्त्व को समझेंगे।
2) हिंदी निबंध के उद्भव एवं विकास की जानकारी होगी।
3) निबंध लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

निबंध: स्वरूप, तत्व एवं भेद।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1) भारत वर्षोन्नति - भारतेन्दु हरिश्चंद्र -
2) आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्ण सिंह
3) उत्साह - रामचन्द्र शुक्ल
4) नाखून क्यों बढ़ते है? **-** हजारी प्रसाद द्विवेदी
5) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है विद्यानिवास मिश्र-

इकाई तीन- **(15 Lectures)**जिंदगी

मुस्कुराई- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (कोई पाँच)

इकाई चार - **(15 Lectures)**

निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, *'साहित्यिक निबंध',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
2. डॉ. भोलानाथ, *'हिन्दी साहित्य'* हिन्दी परिषद, प्रकाशन प्रयाग, 1971
3. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* मयूर पेपरबैक्स, 2014

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi
हिन्दी निबंध

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक :40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
<u>Elective Course</u>

Course Title: भाषाविज्ञान
Course Code: HIN-VI.E-14
Name of the Faculty: Mr. Pradeep Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान की जानकारी देना। उसके अध्ययन क्षेत्र एवं दिशाओं का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की जानकारी देना।

Course Outcome

1) भाषा एवं भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे।
2) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी।
3) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा।
4) अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. भाषा: परिभाषा एवं विशेषताएँ।
2. भाषा परिवर्तन के कारण
3. भाषाविज्ञान: परिभाषा और अध्ययन की दिशाएँ।

इकाई दो - ध्वनि विज्ञान: **(15 Lectures)**

1. ध्वनि का स्वरूप।
2. ध्वनियों का वर्गीकरण।
3. ध्वनि परिवर्तन के कारण।

इकाई तीन - रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान। **(15 Lectures)**

1. रूप विज्ञान: स्वरूप।
2. अर्थतत्व एवं संबंध तत्व।
3. रूप परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
4. वाक्य विज्ञान: वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
5. वाक्य के भेद।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. अर्थ विज्ञान: स्वरूप।
2. अर्थ बोध के साधन।
3. अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'भाषाविज्ञान'*,किताबमहल इलाहाबाद, 1991

2. डॉ. हनुमंतराव पाटील, *'भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा',* विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2009
3. डॉ. राजमणि शर्मा, *'आधुनिक भाषाविज्ञान',* महाशक्ति साहित्य मंदिर, वाराणसी, 1983
4. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'शब्द विज्ञान',* शब्दकार, तुर्कमार गेट, दिल्ली, 1982
5. डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ.देवेंद्र प्रसाद सिंह, *'भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा',* निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली,2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi
भाषाविज्ञान

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Elective Course

Course Title: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

Course Code: HIN-VI.E-15
Name of the Faculty: Mr. Pradeep Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की जानकारी देना। भाषा परिवर्तन के कारणों का पता लगाना। देवनागरी लिपि से परिचित कराना एवं उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालना और साथ ही विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण से अवगत कराना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे।
2) देवनागरी लिपि के विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।

3) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. भाषा : प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्यभाषा।
2. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. लिपि- देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
3. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

1. व्याकरण: वर्ण विचार- स्वर, व्यंजन।
2. शब्दसाधन- विकारी एवं अविकारी शब्दों का सामान्य परिचय।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया का रूपान्तरण ।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. ब्रज किशोर प्रसाद सिंह, *'हिन्दी व्याकरण',* नमन प्रकाशन, दरियागंज,दिल्ली, 2009
2. कामताप्रसाद गुरु, *'हिन्दी व्याकरण',* हिन्दी-मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2011
3. डॉ. हरदेव बाहरी, *'व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1997
4. श्री शरण, *'हिन्दी-अशुद्धियाँ संदर्भ शोधन',* प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, 1997
5. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, अत्यावश्यक हिन्दी व्याकरण, फडके बुकसेलर्स, कोल्हापुर, 1993

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/ Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरीप्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Elective Course

Course Title: साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन
Course Code: HIN-VI.E-16
Name of the Faculty: Mr. Pradeep Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्य तथा साहित्येतर विद्या शाखाओं की जानकारी देना। उनके अंत:संबंध का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही साहित्येतर विद्या शाखाओं का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव बताना।

Course Outcome:

1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे।
2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे।
3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे।
4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।
5) साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. साहित्य एवं अन्य विद्या शाखाओं का संबंध।
2. साहित्य एवं इतिहास।
3. साहित्य एवं दर्शन।

4. साहित्य एवं मनोविज्ञान।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन - लिंग, वर्ण, वर्ग एवं संप्रदाय।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

व्यावहारिक अध्ययन के लिए निर्धारित कृति ग्लोबल गाँव का देवता- रणेन्द्र

इकाई चार - **(15 Lectures)**

निर्धारित कृति का तात्विक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. राधाकृष्णन, '*भारतीय दर्शन-भाग एक*', राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2012
2. डॉ. राधाकृष्णन, *'भारतीय दर्शन भाग दो'*, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2013
3. श्रीनलिन विलोचन शर्मा, *'साहित्य का इतिहास-दर्शन'*, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना. 1959
4. डॉ. सुरिंदरकौर गौड़, *'सौंदर्यशास्त्र'* अभय प्रकाशन, कानपुर, 2015
5. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, *'हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1'*, ज्ञान मंडल, लिमिटेड, वाराणसी, 2007

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi
साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न(2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Skill Enhancement Course

Course Title: हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)
Course Code: HIN-II. SEC-1
Name of the Faculty: Mr. P. R. Jatal
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पथनाट्य लेखन हेतु प्रवृत्त करना।
2) पथनाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों के अभिनय कौशल को विकसित करना।
3) विदयार्थी पथनाट्य को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Course Outcomes:

1) विद्यार्थी पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
2) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे।
3) पथनाट्य के प्रस्तुतीकरण से छात्रों में अभिनय कौशल विकसित होगा।
4) विद्यार्थियों में अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा।

Syllabus:

इकाई एक: (15 Lectures)

1. पथनाट्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. पथनाट्य का विकास।
3. पथनाट्य के तत्व एवं सरोकार

इकाई दो: (15 Lectures)

1. - बादल सरकार
2. जनता पागल हो गई है-शिवराम।

इकाई तीन: (15 Lectures)

1. सबसे सस्ता गोश्त- असगर वजाहत।
2. देखो, वोट, बटोरे अन्धा-असगर वजाहत।

इकाई चार: (15 Lectures)

उपर्युक्त नाटकों का तात्विक विवेचन।

(व्यावहारिक कार्य: पथनाट्य : प्राथमिक लेखन, प्रकट वाचन, समूह चर्चा, पुनर्लेखन पथनाट्य: समूह में प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन।)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कुसुम त्रिपाठी, 'नुक्कड़ नाटक कैसे खेले', आह्वान नाट्य मंच प्रकाशन,बम्बई 1995
2. निदेशालय,प्रौढ़ शिक्षा,नुक्कड़ भाग- 1,2 जामनगर हाऊस, हटमेंटस,नई दिल्ली 1995
3. सं. अखिलेश कुमार मिश्र,*'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
4. हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,1988
5. चन्द्रेश, 'नुक्कड़ नाटक', राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली,1983
6. असगर वजाहत, 'सबसे सस्ता गोश्त',राजपाल एंड सन्स,कश्मीरी गेट,दिल्ली,2015

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi
हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक :60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा(MCQ/ Written Test) (20)
3. पथनाट्य प्रस्तुतीकरण (street play Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक:40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester –IV)

Course Title: हिन्दी एकांकी
Course Code: HIN-IV. SEC-2

Name of the Faculty: Mr. P. R. Jatal

Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) विद्यार्थियों को एकांकी का परिचय कराना।
2) विद्यार्थी एकांकी की आवश्यकता को समझ सकें।
3) इसके माध्यम से विदयार्थी एकांकी को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Course Outcomes

1) विद्यार्थी एकांकी का गहन अध्ययन करके उससे परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी वाचन एवं संवाद कला में निपुण होंगे।
3) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण से अभिनय के क्षेत्र में प्रारम्भिक दक्षता प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. एकांकी: अवधारणा, स्वरूप एवं विकास।
2. एकांकी के तत्त्व।
3. रंगमंचीयता एवं उसका विकास।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. भोर का तारा- जगदीश चंद्र माथुर।(पाठ विवेचन)
2. धीरे बहो गंगा- लक्ष्मी नारायण लाल।(पाठ विवेचन)

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. आवाज नीलाम - धर्मवीर भारती (पाठ विवेचन)
2. जुलूस- कणाद ऋषि भटनागर (पाठ विवेचन)

इकाई चार - निर्धारित रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन **(15 Lectures)**

1. अभिनेयता
2. रंगमंचीयता
3. संवाद योजना
4. निर्देश

संदर्भ ग्रंथ-

1. गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2003
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
5. डॉ. रामशरण महेंद्र, '*एकांकी और एकांकीकार*, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,2001
6. सं.अखिलेश कुमार मिश्र,*'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
7. डॉ. सुरेन्द्र यादव, 'एकांकी और एकांकी',राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2001

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी एकांकी

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना/एकांकी लेखन (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा(MCQ/ Written Test) (20)
3. एकांकी /प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/PptPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)

POSTGRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

COURSE STRUCTURE

SEMESTER	CORE COURSES			ELECTIVE COURSES		
I	**HNC-1** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	**HNC-2** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	**HNC-3** भाषाविज्ञान	**HNE-1** विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	**HNE-2** दलित विमर्श	**HNE-3** अनुवाद
II	**HNC-4** हिन्दी साहित्य का इतिहास:आधुनिक काल	**HNC-5** आधुनिक काव्य	**HNC-6** विशेष विधा: उपन्यास	**HNE-4** विशेष विधा : कहानी	**HNE-5** आलोचक और आलोचना	**HNE-6** पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम
III	**HNC-7** भारतीय काव्यशास्त्र	**HNC-8** प्रयोजनमूलक हिन्दी	**HNC-9** हिन्दी भाषा,लिपि,व्याकरण एवं सर्वेक्षण	**HNE-7** भारतीय साहित्य	**HNE-8** नाटक एवं रंगमंच	**HNE-9** आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
IV	**HNC-10** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**HNC-11** मीडिया लेखन	**HNC-12** शोध प्रविधि	**HNE-10** आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)	**HNE-11** स्त्री विमर्श	**HNE-12** गद्य की अन्य विधाएँ

PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE (AUTONOMOUS)

POST GRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

REVISED SYLLABUS OF M.A. HINDI (2020-2021)

(BOS Meeting – 15.02.2020)

Semester – I

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

Course Code: HNC-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की विस्तृत जानकारी देना। इससे विद्यार्थी आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के साहित्य से परिचित होंगे। साथ ही वे साहित्य और समाज के संबंध से भी परिचित होंगे।

Learning Outcome:

1) साहित्य के इतिहास दर्शन का ज्ञान होगा
2) साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों से परिचित होंगे
3) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
4) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे।
5) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
6) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका **(15 Hours)**

1. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन के स्रोत।
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।
4. काल विभाजन एवं नामकरण।

इकाई दो - आदिकाल **(15 Hours)**

1. नाथ, सिध्द और जैन साहित्य
2. रासो काव्य की परंपरा और उसकी प्रामाणिकता
3. लौकिक साहित्य

इकाई तीन - भक्तिकाल **(15 Hours)**

1. भक्ति आंदोलन एवं सांस्कृतिक चेतना
2. संत काव्यधारा
3. सूफी काव्यधारा
4. राम-भक्ति काव्य
5. कृष्ण भक्तिकाव्य

इकाई चार - कृष्ण भक्ति काव्य एवं रीतिकाल **(15 Hours)**

1. रीतिकाल का उद्भव एवं विकास
2. दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य
3. रीतिकाल की विविध शाखाएँ:

क) रीतिबद्ध काव्य।

ख) रीतिसिद्ध काव्य।

ग) रीतिमुक्त काव्य।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंको की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणीयाँ (पाँच में से किन्ही तीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, विश्वभारती प्रकाशन नागपुर, 2005
2. नगेन्द्र (सं), *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, मयूर पेपर बैक्स नौएडा-201301, 2015
3. बच्चन सिंह, *'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
6. हिंदी साहित्य का अतीत, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
7. हिंदी साहित्य का इतिहास, विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 2015
8. हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
9. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
10. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वॉन, नई दिल्ली, 2013
11. सुमन राजे, *'हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास'*, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003
12. वासुदेव सिंह, *'हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास' खंड-1 और खंड-2*, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1982
13. डॉ. फणीश सिंह, *'हिन्दी साहित्य एक परिचय'*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
14. डॉ. शिवकुमार शर्मा, *'हिन्दी साहित्यः युग और प्रवृत्तियाँ'*, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, 2015

****

Course Title: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course Code: HNC-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक के प्रमुख कवियों की कविताओं की जानकारी देना। साथ ही इन प्रमुख कवियों के जीवन और उनकी काव्य दृष्टि से परिचित कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) हिन्दी काव्य परंपरा और समाज पर पड़े उसके प्रभाव का ज्ञान होगा।
3) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी।
4) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे।
5) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई एक - आदिकालीन कवि विद्यापति **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि एवं भाव सौन्दर्य
3. शिल्प सौन्दर्य
4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक-विद्यापति पदावली सं.रामवृक्ष बेनीपुरी

पद्संख्या-वंदना-1, 2

वय:संधि-4,5,6,

नख शिख-10,11,12

प्रेम प्रसंग-27,34,36

विरह-187,191,195

प्रार्थना और नचारी-243

इकाई दो - निर्गुण कवि: कबीर एवं मलिक मोहम्मद जायसी (15 Hours)

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौंदर्य
3. शिल्प सौंदर्य
4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
   पदसंख्या: 1, 2, 5, 12, 22, 33, 66, 67, 130, 134, 153, 160, 162, 163, 224
5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- जायसी ग्रंथावली, संपादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   नागमती-वियोग खंड

इकाई तीन - सगुण कवि: गोस्वामी तुलसीदास एवं सूरदास (15 Hours)

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौंदर्य।
3. शिल्प सौंदर्य
4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- रामचरितमानस, गोस्वामी तुलसीदास
   उत्तरकाण्ड - दोहा क्रमांक 114 ख से 122 ख तक
5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- भ्रमरगीतसार, सूरदास, (संपादक, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
   पदसंख्या: 9,21,22,23,24,25,29,34,35,36,37,38,41,57,64,

इकाई चार - रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि: बिहारी एवं घनानंद (15 Hours)

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य की शृंगारिकता
3. भक्ति एवं नीतिगत विचार
4. भाषिक सौंदर्य
5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक (सं) बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथदास रत्नाकर
   दोहा संख्या - 1, 2, 13, 16, 25, 35, 38, 41, 73, 94, 160, 188, 225, 300, 345
6. निर्धारित पाठ्यपुस्तक-घनानंद कवित्त (सं) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
   कवित्त संख्या: 1, 2, 4, 15, 41, 43, 46, 58, 59, 70, 75, 77, 79, 82, 84

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणीयाँ (चार में से किन्ही दो) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विद्यापति, डॉ॰ शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
2. मालिक मुहम्मद जायसी, संपा॰ विनोद चन्द्र पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1966
3. पद्मावत, संपादक - माताप्रसाद गुप्त, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1965
4. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1993,
5. कबीर मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2003
6. पूरा कबीर, संपा॰ डॉ॰बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, 2005
7. तुलसीदास, डॉ॰ माताप्रसाद गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
8. तुलसी काव्य मीमांसा, उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
9. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997
10. घनानंद काव्य और आलोचना, डॉ॰ किशोरीलाल, साहित्य भवन, प्रा॰लि॰, इलाहाबाद, 1987

****

Course Title: भाषाविज्ञान

Course Code: HNC-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को भाषा और भाषा विज्ञान की जानकारी देना। उन्हें भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं से परिचित कराना। साथ ही भाषा विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा एवं भाषा, बोली एवं समाज के आपसी संबंध को बताना।

Learning Outcome:

1) भाषा और भाषा विज्ञान के पारस्परिक संबंध से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी भाषा, बोली और समाज के आपसी सम्बन्धों से परिचित होंगे।
3) भाषा एवं भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे।
4) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी।
5) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा।
6) अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - भाषाविज्ञान **(15 Hours)**

1. भाषा: परिभाषा, स्वरूप एवं अभिलक्षण।
2. भाषाविज्ञान: परिभाषा, स्वरूप एवं शाखाएँ।
3. भारोपीय भाषा परिवार।

इकाई दो - ध्वनिविज्ञान **(15 Hours)**

1. ध्वनिविज्ञान: स्वरूप एवं आधार
2. ध्वनियों का वर्गीकरण
3. ध्वनिगुण: मात्रा, आघात, वृत्ति एवं अनुतान
4. ध्वनि परिवर्तन:कारण एवं दिशाएँ
5. स्वनिम विज्ञान:परिभाषा, स्वरूप एवं भेद
6. स्वनिम सिध्दांत

इकाई तीन - रूप विज्ञान **(15 Hours)**

1. रूप का स्वरूप
2. अर्थतत्व और संबंध तत्व
3. रूप परिवर्तन:कारण एवं दिशाएँ
4. रूपिम:परिभाषा, भेद एवं प्रक्रिया
5. रूप स्वनिम:परिभाषा, प्रक्रिया, परिवर्तन

इकाई चार - वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान **(15 Hours)**

1. वाक्य: अवधारणा एवं स्वरूप
2. वाक्य के भेद
3. अर्थ: परिभाषा एवं स्वरूप
4. शब्द और अर्थ का संबंध
5. अर्थबोध एवं अर्थ निर्णय के साधन
6. अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंको की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्ही तीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2015
2. भोलानाथ तिवारी, *'भाषाविज्ञान'*, किताब महल, इलाहाबाद, 1987
3. भाषा विज्ञान का रसायन, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2012
4. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. भाषा विज्ञान: सैद्धान्तिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2013
6. भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2007
7. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2004
8. हिन्दी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2016
9. अद्यतन भाषा विज्ञान प्रथम प्रामाणिक विमर्श, पाण्डेय, शशीभूषण 'शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2012
10. मानक हिन्दी का स्वरूप, भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2006
11. हिन्दी: भाषा, राजभाषा और लिपि, परमानंद पांचाल, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली, संस्करण-2008
12. अच्छी हिन्दी, रामचन्द्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2008
13. डॉ. जितेन्द्र वत्स, डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह, *'भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा'*, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
14. डॉ. नरेश मिश्र, *'भाषा और भाषा विज्ञान'*, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
15. डॉ. रामप्रकाश, *'मानक हिन्दीः स्वरुप एवं संरचना'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1991
16. हिंदी व्याकरण, **पं॰ कामताप्रसाद गुरु** , प्रकाशक प्रकाशन संस्थान, दरियागंज नयी दिल्ली-110 002 संस्करण : सन् 2009

******

Course Title: विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

Course Code: HNE-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी के विशेष रचनाकार अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित कराना। साथ ही अज्ञेय का व्यक्तित्व, उनका परिवेश, उनकी व्यष्टि चेतना और प्रयोगवाद की विशेषताओं की जानकारी देना इसमें शामिल है।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे।
2) व्यष्टि और समष्टि चेतना को समझ सकेंगे।
3) आधुनिक हिन्दी साहित्य में अज्ञेय के योगदान का ज्ञान होगा।
4) अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व से प्रेरित होकर सृजनात्मक रूप से समाज में अपना योगदान दे सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - अज्ञेय : व्यक्ति परिचय एवं रचना संसार (15 Hours)

1. व्यक्तित्व एवं परिवेश
2. अज्ञेय का रचना संसार
3. उत्तर छायावादी काव्य और अज्ञेय
4. अज्ञेय की काव्य दृष्टि
5. अज्ञेय का शिल्प विधान

इकाई दो-अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएं एवं जीवन परिचय-संपादक. विद्यानिवास मिश्र (15 Hours)

1. आज थका हिय हारिल मेरा
2. नदी के द्वीप
3. लंबी कविता- असाध्य वीणा

इकाई तीन - कथा साहित्य **(15 Hours)**

1. शेखर : एक जीवनी भाग-1
2. चुनी हुई तीन कहानियाँ:
   1. रोज
   2. विपथगा
   3. मुस्लिम-मुस्लिम भाई-भाई।

इकाई चार - निबंध **(15 Hours)**

1. अज्ञेय के चार चयनित निबंध
   1. मैं क्यों लिखता हूँ।
   2. साहित्य बोध: आधुनिकता के तत्त्व।
   3. साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया।
   4. भारतीयता।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न - टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विश्वंभर मानव, राम किशोर शर्मा, '*आधुनिक कवि*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
2. संपादक विद्या निवास मिश्र, '*अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ*', राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2005

3. सच्चिदानंद चतुर्वेदी, '*अज्ञेय के निबंध*', मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद, 2009
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. कामना श्रीवास्तव, '*अज्ञेय की कहानियाँ: वैचारिक आयाम*', शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली,2014
6. पूनम गुप्ता , '*अज्ञेय की कविताओं में मनुष्य की अवधारणा*', शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2014
7. '*अज्ञेय काव्य में प्रतिबिम्ब और मिथक*', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009

*****

Course Title: दलित विमर्श

Course Code: HNE-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

आज दलित विमर्श हर भारतीय भाषा में एक आंदोलन के रूप में उभरकर आया है। यह हिन्दी में भी अपना एक स्थान बना चुका है। इस पाठ्यक्रम का उददेश्य विद्यार्थियों को हिन्दी के दलित साहित्य से परिचित कराना है।

Learning Outcome:

1) दलित साहित्य और मुख्य धारा के साहित्य के बीच सम्बन्धों को समझ सकेंगे।
2) दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र से परिचित होंगे।
3) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।
4) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे।
5) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे।
6) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - दलित साहित्य की अवधारणा **(15 Hours)**

1. दलित साहित्य का विकास
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

इकाई दो - आत्मकथा **(15 Hours)**

1. दोहरा अभिशाप - कौशल्या बैसंत्री

इकाई तीन - कथा साहित्य **(15 Hours)**

1. उपन्यास
   उधर के लोग- अजय नावरिया

इकाई चार - कविता **(15 Hours)**

1.बस्स बहुत हो चुका- ओमप्रकाश वाल्मीकि

(चयनित पाँच कविताएँ)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. टी.वी. कट्टीमनी, *'दलित साहित्य का समाज विज्ञान'*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली,2014
2. ओमप्रकाश वाल्मीकि, *'दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
3. सुशीला टाकभौरे, *'हाशिए का विमर्श'*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2015
4. विमल थोरात, *'दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर'*, अनामिका पब्लिशर्स, नयी दिल्ली, 2008
5. डॉ. संजय मुनेश्वर, *'हिन्दी का दलित आत्मकथा साहित्य'*, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर, 2011
6. डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, डॉ. रजत रानी मीनू, *'दलित दखल'*, श्री साहित्यिक संस्थान, गाजियाबाद, 2001

******

Course Title: अनुवाद

Course Code: HNE-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

आज का युग अनुवाद का युग है। साहित्यिक और कार्यालयीन सभी क्षेत्रों में अनुवाद कार्य तेजी से हो रहा है। इस पाछ्यक्रम से अनुवाद की परिभाषा, उसका सिद्धांत, उसके भेद, उसकी प्रक्रिया, सीनाएँ एवं प्रासंगिकता की विद्यार्थियों को जानकारी देना शामिल है।

Learning Outcome:

1) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे।
2) अनुवाद के भेदों से परिचित होंगे।
3) भारतीय साहित्य के विकास की दृष्टि से अनुवाद की महत्ता समझ सकेंगे।
4) अनुवाद कार्य में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
5) रोजगार की दृष्टि से अनुवाद कार्य में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - अनुवाद : स्वरूप एवं भेद **(15 Hours)**

1. परिभाषा, स्वरूप
2. सिद्धांत एवं प्रक्रिया
3. प्रासंगिकता, महत्त्व एवं सीमाएँ
4. प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार:
   क. शब्दानुवाद
   ख. भावानुवाद
   ग. छायानुवाद
   घ. आशु अनुवाद

इकाई दो – विषय आधारित अनुवाद: स्वरूप एवं समस्याएं **(15 Hours)**

1. कार्यालयी अनुवाद
2. साहित्यिक अनुवाद
3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद
4. मीडिया गत अनुवाद

इकाई तीन - अनुवाद के साधन **(15 Hours)**

1. शब्दकोश
2. पारिभाषिक शब्दावली
3. साहित्य कोश
4. समांतर कोश
5. ई-उपकरण

इकाई चार - अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष **(15 Hours)**

1. पुनरीक्षण, समीक्षा एवं मूल्यांकन
2. अंग्रेजी से हिन्दी, कोंकणी से हिन्दी, मराठी से हिन्दी

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. भारती गोरे, *'अनुवाद निरूपण'*, विकास प्रकाशन, कानपुर, 2004
2. डॉ. अम्बादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
3. डॉ. सुरेश सिंहल, *'अनुवादः अनुभूति और अनुभव'*, संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
4. विनोद गोदरे, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
5. डॉ. सुरेश सिंहल, *'अनुवादः अवधारणा और आयाम'*, संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
6. डॉ. राजमल बोरा, *'अनुवाद क्या है'*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996

Semester II

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास:आधुनिक काल
Course Code: HNC-4
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक काल की सभी विधाओं की जानकारी देना। यह बताना कि किस तरह हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल में कविता के साथ-साथ गद्य की धाराएँ भी विकसित होती रहीं। इसमें गद्य की अन्य विधाओं के साथ दक्खिनी हिन्दी भी शामिल है।

Learning Outcome:

1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश से परिचित होंगे।
2) आधुनिक काल के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे।
3) हिन्दी साहित्य में आए बदलाओं और उसके कारणों को समझ सकेंगे।
4) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
5) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
6) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।
7) गद्य की इतर विधाओं, परंपरा और उसके महत्त्व से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - आधुनिक हिन्दी साहित्य **(15 Hours)**

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का परिवेश
2. भारतेन्दु युग
3. द्विवेदी युग
4. छायावाद
5. राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा

इकाई दो - छायावादोत्तर काव्य का संक्षिप्त परिचय **(15 Hours)**

1. प्रगतिवाद
2. प्रयोगवाद
3. नयी कविता
4. साठोत्तरी कविता
5. समकालीन कविता

इकाई तीन - हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का स्वरूप एवं विकास **(15 Hours)**

1.नाटक एवं एकांकी

2.कहानी

3.उपन्यास

4.निबंध

इकाई चार – गद्य की अन्य विधाएँ **(15 Hours)**

1. रेखाचित्र एवं संस्मरण
2. यात्रा वृतांत
3. आत्मकथा
4. जीवनी

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणीयाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. बच्चन सिंह, *'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996
2. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2005
3. प्रो. वासुदेव सिंह, *'हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास'*, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1982
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ.शिवकुमार शर्मा, *'हिन्दी साहित्यःयुग और प्रवृतियाँ'*, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, 2015
6. नामवर सिंह, *'आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998

******

Course Title: आधुनिक काव्य
Course Code: HNC-5
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक काल के प्रमुख कवियों की कविताओं से परिचित कराना। यह बताना कि आधुनिक काल की कविताएँ अपने पूर्ववर्ती काव्य से किस बिन्दु पर अलग हैं और उनसे आगे बढ़ी हैं।

Learning Outcome:

1) आधुनिक काल के प्रमुख काव्य ग्रन्थों से परिचित होंगे।
2) समाज की विविव्ध दिशाओं में आधुनिक कविता के योगदान को जान पाएंगे।
3) आज़ादी के पूर्व और आज़ादी के बाद कविता की भूमिका को समझ सकेंगे।
4) पूर्ववर्ती कविता से अंतर को समझ सकेंगे।
5) विद्यार्थी काव्य सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - 1. साकेत का नवम सर्ग (चयनित पद) - मैथिलीशरण गुप्त **(15 Hours)**
2. कामायनी : जयशंकर प्रसाद
(श्रद्धा सर्ग, लज्जा सर्ग)

इकाई दो - 1. राग-विराग, पं॰ सूर्यकांत त्रिपाठी, 'निराला' **(15 Hours)**
(सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता)

इकाई तीन - 1. चांद का मुंह टेढ़ा है मुक्तिबोध - **(15 Hours)**
(ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में)

इकाई चार - 1. रश्मिरथी, रामधारी सिंह 'दिनकर' **(15 Hours)**
(कोई दो सर्ग)
2. नए इलाके में, अरुण कमल

(नए इलाके में, हाट, श्राद्ध का अन्न, जागरण, आत्मा का रोकड़)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विश्वम्भर मानव, राम किशोर शर्मा, *'आधुनिक हिन्दी काव्य'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
2. निराला: आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, नयी दिल्ली, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
3. निराला और मुक्तिबोध: चार लंबी कविताएं, नंदकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2014
4. विवेक निराला, *'निराला के साहित्य में प्रतिरोध के स्वर'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
5. दिनकर अर्धनारीश्वर कवि, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2013
6. दिनकर, संपा॰ सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1998
7. नामवर सिंह, *'आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
8. कामायनी: एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
9. कल्याणमल लोढा, *'कामायनी'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1976
10. मुक्तिबोध : कविता और जीवन-विवेक, चन्द्रकान्त देवताले, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003

11. मुक्तिबोध की कविताई, अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003

*****

Course Title: विशेष विधा: उपन्यास

Course Code: HNC-6
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी की उपन्यास विधा से परिचित कराना और साथ ही हिन्दी के कुछ चर्चित उपन्यासों के माध्यम से उपन्यास के यथार्थ और आदर्श पक्ष को विद्यार्थियों के समक्ष रखना। उन्हें एक समीक्षात्मक दृष्टि की ओर प्रेरित करना।

Learning Outcome:

1) उपन्यास विधा के स्वरूप एवं तत्व को समझेंगे।
2) उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे।
3) उपन्यास के कथ्य और समाज के संबंध को जान पाएंगे।
4) 'गोदान' उपन्यास के माध्यम से एक किसान के जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे।
5) 'राग दरबारी' के माध्यम से उपन्यास में व्यंग्य के महत्त्व और स्वातंत्र्योत्तर भार की विसंगतियों से परिचित होंगे।
6) 'मानस का हंस' उपन्यास के माध्यम से मध्यकालीन समाज और तुलसीदास के जीवन से अवगत होंगे।
7) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
8) भाषा और सृजनात्मक प्रतिभा विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई एक- गोदान - प्रेमचंद **(15 Hours)**
इकाई दो- बाणभट्ट की आत्मकथा- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी **(15 Hours)**
इकाई तीन- राग दरबारी- श्रीलाल शुक्ल **(15 Hours)**
इकाई चार- मानस का हंस - अमृतलाल नागर **(15 Hours)**

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
- तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणीयाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अनिल सिंह, *'आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास'*, ज्ञान प्रकाशन कानपुर, 2014
2. डॉ. बेचन, *'आधुनिक हिन्दी उपन्यास : उदभव और विकास'*, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1971
3. डॉ. ज्ञान अस्थाना, *'हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ'*, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1979
4. संपादक ओमप्रकाशक त्रिपाठी, *'हिन्दी के कालजयी उपन्यास'*, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2013
5. सम्पादक पी.वी. विजयन, *'प्रेमचंद: साहित्य और संवेदना'*, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2005
6. डॉ. शोभा वेरेकर, *'साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों का शिल्प विकास'*, पीयूष प्रकाशन, दिल्ली, 2001

****

Course Title: विशेष विधा:कहानी

Course Code: HNE-4
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी की कहानी विधा से परिचित कराना। साथ ही कुछ चर्चित कहानियों के माध्यम से हिन्दी कहानी और समाज के सम्बंध को विद्यार्थियों तक पहुँचाना। विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि पैदा करना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे।
2) चर्चित कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और समाज के सम्बन्धों से अवगत होंगे।
3) विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि विकसित होगी।
4) कहानी विधा में विभिन्न युगों में हुए बदलावों से परिचित होंगे।
5) हिन्दी कहानी में शीर्षस्थ कहानीकारों के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
6) कहानी-लेखन की दिशा में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - 1. दुलाईवाली - राजेंद्रबाला घोष (बंग महिला) **(15 Hours)**
2. दुनिया का अनमोल रतन- प्रेमचंद
3. आकाशदीप- जयशंकर प्रसाद
4. राही- सुभद्रा कुमारी चौहान

इकाई दो - 1. अपना अपना भाग्य- जैनेंद्र **(15 Hours)**
2. कानों में कँगना- राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह
3. तीसरी कसम- फणीश्वर नाथ रेणु
4. राजा निरबंसिया- कमलेश्वर

इकाई तीन - 1. पिता- ज्ञानरंजन **(15 Hours)**

2.कृष्णा सोबती -सिक्का बदल गया

3.कोसी का घटवार- शेखर जोशी

4.शिवप्रसाद सिंह - नन्हों

इकाई चार - 1. अमृतसर आ गया है- भीष्म साहनी **(15 Hours)**

2. परिंदे- निर्मल वर्मा

3. कसाईबाड़ा- शिवमूर्ति

4. उदय प्रकाश- तिरिछ

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. गोपाल राय, *'हिन्दी कहानी का इतिहास'* भाग-1, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011
2. पुष्पपाल सिंह, *'कहानी का उत्तर समय'*, सामयिक बुक्स, 2013
3. संपादक सोनिया सिरसाट, *'हिन्दी कहानीः परम्परा एवं प्रयोग'*, अकादमिक प्रतिभा, नयी दिल्ली, 2010
4. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, *'हिन्दी का गद्य साहित्य'*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1968
5. जैनेन्द्र कुमार, *'कहानीः अनुभव और शिल्प'*, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1967

6. संपादक सोमेश्वर पुरोहित, *'कहानीः नई-पुरानी'*, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद, 1978

******

Course Title: आलोचक और आलोचना

Course Code: HNE-5
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी आलोचना से परिचित कराया जाएगा। हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी दी जाएगी। साथ ही यह भी बताया जाएगा कि आलोचना के प्रतिमान कौन-कौन से हैं और यह किससे प्रभावित है।

Learning Outcome:

1) हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) आलोचना के प्रतिमानों को समझ सकेंगे।
3) हिन्दी आलोचना पर पड़े प्रभावों को समझ सकेंगे।
4) विद्यार्थियों में एक आलोचक दृष्टि विकसित होगी।
5) किसी चीज़ को लेकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिंदी आलोचना का विकास : **(15 Hours)**

1. भारतेंदु युगीन आलोचना : स्वरूप एवं विशेषताएं
   (गद्य विधाओं का विकास)
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण
   (युगांतकारी भूमिका और 'सरस्वती' पत्रिका)
3. द्विवेदी युगीन आलोचक : मिश्र बंधु एवं अन्य

इकाई दो - 1.रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना **(15 Hours)**

(इतिहासपरक और वैज्ञानिक आलोचना)

2.छायावादी कवियों के आलोचनात्मक प्रयत्न

3. मनोवैज्ञानिक समीक्षा पद्धति: साहित्य और समीक्षा

4. नंददुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना

इकाई तीन - 1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : मानवतावादी और सांस्कृतिक दृष्टि **(15 Hours)**

2. प्रगतिशील आंदोलन और मार्क्सवादी आलोचना

3.रामविलास शर्मा : प्रगतिशील आलोचना के प्रतिमान और प्रदेय

इकाई चार-1. मुक्तिबोध की समीक्षा पद्धति : वस्तु और शिल्प, रचना प्रक्रिया, कला के तीन क्षण **(15 Hours)**

2. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति और नई समीक्षा

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. रोहिताश्व, *'आलोचना का परिप्रेक्ष्य'* , विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2005
2. रोहिताश्व, *'समकालीनता और शाश्वतता'* , विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2006
3. परमानंद श्रीवास्तव, *'आलोचना की संस्कृति'* , सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2013
4. देवीशंकर अवस्थी, *'आलोचना और आलोचना'* , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1995

5. रमेश चन्द्र शाह, *'आलोचना का पक्ष'* , वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर, 1998
6. सम्पादक प्रेम भारद्वाज, *'नामवर सिंहः एक मूल्यांकन'* , सामयिक बुक्स, नयी दिल्ली, 2012

*****

Course Title: पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम

Course Code: HNE-6
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम की जानकारी देना। उन्हें बताना कि पत्रकारिता का विकास किस प्रकार हुआ। जनसंचार माध्यम के अंतर्गत समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, इंटरनेट आदि से परिचित कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे।
2) समाचार पत्र में लेखन का ज्ञान होगा।
3) रेडियो के क्रमिक विकास और उसमें लेखन का ज्ञान होगा।
4) सिनेमा एवं दूरदर्शन के उद्भव और विकास तथा उसके विविध पहलुओं से परिचित होंगे।
5) जनसंचार के विविध माध्यमों से परिचित होंगे।
6) विद्यार्थियों में रेडियो पत्रकारिता, टेलीविजन पत्रकारिता एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी पत्रकारिता **(15 Hours)**

1. पत्रकारिता: अवधारणा, स्वरूप एवं विकास
2. भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता
3. महावीरप्रसाद द्विवेदी युगीन पत्रकारिता
4. गांधी युगीन पत्रकारिता
5. स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता

6. संचार क्रांति के बाद की हिंदी पत्रकारिता(1985-अब तक)

इकाई दो - जनसंचार माध्यम (समाचारपत्र / रोडियो)

1. समाचार पत्र : अवधारणा एवं स्वरूप **(15 Hours)**
2. समाचार पत्र : प्रकाशन की प्रक्रिया
3. रेडियो : परिचय, लेखन एवं महत्व
4. रेडियो : आजादी से पूर्व एवं पश्चात्

इकाई तीन - 1. सिनेमा: स्वरूप, उद्भव एवं विकास **(15 Hours)**

2.सिनेमा: व्यावसायिक एवं कला

3.लघु डाक्यूमेंटरी एवं कार्टून फिल्म

4.दूरदर्शन : परिचय, लेखन एवं महत्त्व

इकाई चार - 1.इंटरनेट : परिचय, लेखन एवं महत्त्व **(15 Hours)**

2.विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप, विज्ञापन का उद्भव विकास, विज्ञापन का महत्व, विज्ञापन की भाषा

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.अम्बादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006

2. डॉ. चन्द्रप्रकाश मिश्र, *'संचार एवं संचार माध्यम'*, संजय प्रकाशन दिल्ली, 2006
3. प्रो. हरिमोहन, *'आधुनिक जनसंचार और हिन्दी'*, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2000
4. सम्पादक डॉ. जशवंत राठवा, डॉ. दिलीप मेहरा, *'मीडिया लेखन'*, अमर प्रकाशन, मथुरा, 2013
5. संपादक डॉ. शैलजा भारद्वाज, *'साहित्य और सिनेमा'*, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर, 2013
6. सुरेश गौतम, वीणा गौतम, *'हिन्दी पत्रकारिता: कल, आज और कल'*, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली, 2001

*****

Semester - III

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र
Course Code: HNC-7
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की विस्तृत जानकारी देना। इसके अंतर्गत विद्यार्थी काव्य की अवधारणा उसके तत्व और काव्य हेतुओं से परिचित होंगे और साथ ही जो विभिन्न काव्य के सिद्धान्त है उससे भी परिचित होंगे। उदाहरण के रूप में रस, अलंकार, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धान्त।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3) काव्य आस्वादन में भारतीय सिद्धांतों के महत्त्व को समझ सकेंगे।
4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।
5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - काव्य का स्वरूप **(15 Hours)**

1. काव्य की अवधारणा एवं स्वरूप
2. काव्य के तत्व
3. काव्य हेतु एवं प्रयोजन

इकाई दो - काव्यालोचन के मानदण्ड (भारतीय) **(15 Hours)**

1. रस सिद्धांत : स्वरूप निष्पत्ति एवं साधारणीकरण
2. अंलकार सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ

इकाई तीन - 1.ध्वनि सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ **(15 Hours)**

2.रीति सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ

इकाई चार - 1. वक्रोक्ति सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ **(15 Hours)**

2. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. भगीरथ मिश्र, *'काव्यशास्त्र'*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
2. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, *'भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
3. गणपति चन्द्र गुप्त, *'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
4. पंडित सीताराम चतुर्वेदी, *'समीक्षा शास्त्र'*, कृष्णदास अकादमी प्रकाशन, वाराणसी, 1983
5. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, *'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1980
6. शेषेन्द्र शर्मा, *'आधुनिक काव्य शास्त्र'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990

*****

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी
Course Code: HNC-8
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी से परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है। विद्यार्थी यह समझ पाएगें कि आज के युग में साहित्य के साथसाथ प्रयोजनमूलक हिन्दी का भी महत्व - बढ़ रहा है।विद्यार्थियों को यह भी ज्ञात होगा कि हमारे संविधान में हिन्दी को क्या स्थान दिया गया है और वास्तविक रूप में आज उसकी क्या स्थिति है।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) रोजगार की प्राप्ति की दिशा में कुशलता प्राप्त करेंगे।
4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्राचार में सक्षम होंगे।
5) हिन्दी के प्रचार-प्रसार में इंटरनेट की भूमिका को समझ सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रयोजनमूलक हिन्दी **(15 Hours)**

1. परिभाषा, स्वरूप एवं व्यवहार क्षेत्र
2. प्रयोजनमूलक हिंदी का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
3. राजभाषा : स्वरूप एवं विकास

इकाई दो - राजभाषा **(15 Hours)**

1. राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान
    1. अनुच्छेद 343-344(संघ की राजभाषा एवं संसद का आयोग एवं समिति)

2. अनुच्छेद 345-347(राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ)
3. अनुच्छेद 348(न्यायालय से संबंधित भाषा)
4. अनुच्छेद 349-350(भाषा संबंधी कुछ अधिनियमित विशेष प्रक्रिया)
5. अनुच्छेद 351(हिन्दी का प्रचार प्रसार)
6. राष्ट्रपति के निर्देश(1952,1955,1960)
7. राजभाषा आयोग।
8. संसदीय समिति।
9. राजभाषा क्रियान्वयन की व्यावहारिक समस्याएँ

इकाई तीन - राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य - कार्यालयीन हिन्दी **(15 Hours)**

1. प्रारूपण (कार्यालयीन ज्ञापन, कार्यालयीन आदेश, कार्यालयीन अनुस्मारक, परिपत्र, अर्धसरकारी पत्र, अधिसूचना)
2. टिप्पण
3. संक्षेपण
4. पल्लवन

इकाई चार - 1. पारिभाषिक शब्दावली **(15 Hours)**

- स्वरूप, महत्व एवं भेद
- प्रमुख सिद्धांत एवं समस्याएँ
- प्रशासनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली

2.इंटरनेट और हिन्दी

- यूनिकोड, ब्लाग, ई-मेल, वेबसाइट

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12

- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अम्बादास देशमुख, '*प्रयोजनमूलक हिन्दी*', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. जोगेन्द्र सिंह, '*राजभाषा हिन्दीः विश्व संदर्भ*', वत्सल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003
3. विनोद गोदरे, '*प्रयोजनमूलक हिन्दी*', वाणी प्रकासन, नयी दिल्ली, 2007
4. डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी, '*राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम*', अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009
5. डॉ. सु. नागलक्ष्मी, '*संचार, सूचना, कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिन्दी जगत*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2012
6. डॉ. अनिल कुमार तिवारी, '*प्रयोजनशील हिन्दी*', विश्वभारती प्रकाशन, कानपुर, 2004

*****

Course Title: हिन्दी भाषा ,लिपि ,व्याकरण एवं सर्वेक्षण
Course Code: HNC-9
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा, लिपि और व्याकरण का ज्ञान कराना ताकि वे वाक्य रचना करने में और आवश्यकता पड़ने पर बोलने में दक्षता प्राप्त कर सकें। विद्यार्थियों को सर्वेक्षण के क्षेत्र में भी आत्मविश्वास पैदा कराना और ऐसा करके हिन्दी के प्रति उनमें रूचि पैदा कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे।
2) देवनागरी लिपि के विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।
3) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे।
4) विद्यार्थियों में भाषा कौशल का विकास होगा।
5) सर्वेक्षण के माध्यम से स्थानीय भाषा एवं संस्कृति को समझ सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी भाषा का इतिहास **(15 Hours)**

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषा : वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा प्राकृत पालि एवं अपभ्रंश
3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषा हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ

इकाई दो - लिपि **(15 Hours)**

1. देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।
3. देवनागरी लिपि तथा वर्तनी का मानकीकरण

इकाई तीन - व्याकरण **(15 Hours)**

1. भाषा और व्याकरण
2. शब्द साधन : विकारी एवं अविकारी शब्द का सामान्य परिचय
3. हिन्दी की रूप रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास के आधार पर रूपान्तरण
4. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया का रूपान्तरण
5. हिंदी वाक्य रचना: पदक्रम एवं अध्याहार

इकाई चार - भाषा एवं संस्कृति सर्वेक्षण **(15 Hours)**

1. सर्वेक्षण का स्वरूप, प्रविधि एवं प्रक्रिया (सैद्धांतिक पक्ष - 5 lect.)
2. दस घंटे की रिपोर्ट (व्यावहारिक पक्ष 10 lect.)

   Note -भाषा और संस्कृति से संबंधित विषय पर किसी स्थान विशेष का 5000 शब्दों में सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1.आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत विद्यार्थी भाषा एवं संस्कृति से संबंधित विषय पर किसी स्थान विशेष का 5000 शब्दों का सर्वेक्षण रिपोर्ट तौयार करेंगे।

2.सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)

- पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग, रमेशचंद्र महरोत्रा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019
2. भोलानाथ तिवारी, *'भाषा विज्ञान'*, किताब महल, इलाहाबाद, 1951
3. कामता प्रसाद गुरू, *'हिन्दी व्याकरण'*, हिन्दी-मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2009
4. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, *'हिन्दी व्याकरण'*, फडके बुकसेलर्स, कोल्हापुर, 1992
5. डॉ. रामप्रकाश, *'मानक हिन्दीः स्वरूप एवं संरचना'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1991
6. डॉ. नरेश मिश्र, *'भाषा और भाषा विज्ञान'*, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
7. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, *'हिन्दी व्याकरण'*, नमन प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
8. देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, भारत सरकार, 1989

Course Title : भारतीय साहित्य
Course Code : HNE-7
Marks : 100
Credits : 4 (60 lectures)

Course objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं और उनके साहित्य से परिचित करना। ऐसा करके विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि भारत की अन्य भाषाएँ हिन्दी से किस स्तर पर जुड़ती हैं और किस स्तर पर वे अपना अलग मार्ग निर्धारित कर रही हैं।

Learning Outcome:

1) विभिन्न भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य से परिचित होंगे।
2) लेखकीय दृष्टि को समझ सकेंगे।
3) अन्य भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे।
4) भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता एवं एकीकरण का भाव विकसित विकसित होगा।
5) अन्य भाषाओं के साहित्य का हिन्दी भाषा-साहित्य के साथ जुड़ाव को समझ सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक **(15 Hours)**

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
2. भारतीय साहित्य : मूल्य एवं विशेषताएँ

3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ

इकाई दो **(15 Hours)**

1. पंजाबी साहित्य का इतिहास, बांग्ला साहित्य का इतिहास

इकाई तीन **(15 Hours)**

1. अनूदित कविता : पाश (पंजाबी)
   ('बीच का रास्ता नहीं होता' से 10 कविताएँ, अनु॰ चमनलाल)

इकाई चार

1. गोरा: रवींद्रनाथ टैगोर (बांग्ला)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय साहित्य, डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2004
2. भारतीय साहित्य, डॉ॰ मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
3. बांग्ला और उसका साहित्य, हंस कुमार तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,
4. बंगला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ. सत्येंद्र, प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, 1961
5. बांग्ला साहित्य का इतिहास, सुकुमार सेन, अनु. वृज किशोर वर्मा 'मणिपद्म', प्र. सं. 1984

6. गोरा, रवींद्रनाथ टैगोर, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2012
7. डॉ. राधाकृष्णन, *'भारतीय दर्शन',* राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1966
8. पंजाबी साहित्य का नवीन इतिहास, ज्ञानेंद्र, आशा प्रकाशन गृह, नयी दिल्ली, 1964
9. बीच का रास्ता नहीं होता- पाश, अनु॰ चमनलाल, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली, 2006
10. *'भारतीय साहित्य : विविध आयाम',* विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2001

*****

Course Title: नाटक एवं रंगमंच
Course Code : HNE-8
Marks : 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नाटक और रंगमंच की ओर जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। ऐसा करके विद्यार्थी नाटक और रंगमंच के सैद्धांतिक पक्ष और व्यावहारिक पक्ष दोनों से जुड़ेंगे।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।
2) हिन्दी नाट्य परंपरा के क्रमिक विकास का ज्ञान होगा।
3) लोकनाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
4) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
5) अभिनय कौशल में कुशलता प्राप्त करेंगे।
6) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी।
7) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - नाटक एवं रंगमंच **(15 Hours)**

1. लोकनाट्य की परंपरा
2. हिन्दी नाटक: स्वरूप एवं विकास
3. हिन्दी रंगमंच का विकास

इकाई दो - विशेष अध्ययन हेतु (निर्धारित नाटक) **(15 Hours)**

1. अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

इकाई तीन - 1.आधे अधूरे - मोहन राकेश **(15 Hours)**

2. बकरी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई चार - 1.सिंदूर की होली - लक्ष्मीनारायण मिश्र **(15 Hours)**

2.अंधा युग - धर्मवीर भारती

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (चार में से किन्ही दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.लीना बी. एल, *'हिन्दी नाटक और रंगमंच'*, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2012
2. डॉ. प्रेमदत्त शर्मा, *'प्रसाद साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि'*, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर, 1968
3. गिरीश रस्तोगी, *'हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष'*, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
4. डॉ. बनवीर प्रसाद शर्मा, *'आधुनिक हिन्दी नाटक'*, अनंग प्रकाशन दिल्ली, 2001

5. के.वी. नारायण, *'साठोत्तर हिन्दी नाटक'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
6. डॉ. आशाराम बेवले, *'समकालीन हिन्दी नाटकों में नारी के विविध रूप'*, समता प्रकाशन, कानपुर, 2006

*****

Course Title : आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
Course Code : HNE-9
Marks : 100
Credits : 4 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिकता से जोड़ना है। वे समझेंगे कि आज हमारा जो आधुनिक साहित्य है उसके मूल में कौन कौन सी-विचारधाराएँ पृष्ठभूमि के रूप में कार्य कर रही हैं।

Learning Outcome:

1) साहित्य की वैचारिकता से जुड़ सकेंगे।
2) साहित्य में निहित विचारधाराओं से परिचित हो सकेंगे।
3) साहित्य के सभी वादों और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
4) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे।
5) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे।
6) विभिन्न आंदोलनों का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक -1. मार्क्सवाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व। **(15 Hours)**

इकाई दो - 1.गांधीदर्शन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व। **(15 Hours)**

2.मनोविश्लेषण वाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व।

इकाई तीन - 1.अस्तित्वाद : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व। **(15 Hours)**

2.अम्बेडकर वाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व।

इकाई चार -1. समाजवादी दर्शन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व। **(15 Hours)**

2.स्त्रीवादी चिंतन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ. विनय कुमार, मित्तल एंड संस, दिल्ली-110092, संस्करण-2009
2. डॉ. पारसनाथ मिश्र, *'मार्क्सवाद और उपन्यासकार यशपाल'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1972
3. डॉ. चंदा गिरीश, *'अस्तित्ववादी हिन्दी कहानी'*, दिव्य डिस्ट्रिब्यूटर्स, कानपुर, 2009
4. डॉ. रामविलास शर्मा, *'प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ'*, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1957

5. डॉ. कुसुम पटोरिया, *'युग प्रणेता अंबेडकर'*, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004
6. क्षमा शर्मा, *'स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य'*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
7. रामधारी सिंह दिनकर, *'चिन्तन के आयाम'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008

******

Semester – IV

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code: HNC-10
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की विस्तृत जानकारी देना। इससे विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे जैसे प्लेटो का काव्य सिद्धांत, अरस्तू, टी.एस. एलियट, आदि का काव्य सिद्धान्त, जिसके माध्यम से बिम्ब, प्रतीक आदि की जानकारी देना।

Learning Outcome:

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।
3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा की विविध प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Hours)**

1. प्लेटो - काव्य सिद्धांत
2. अरस्तू - अनुकरण, विरेचन एवं त्रासदी
3. लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा

इकाई दो - **(15 Hours)**

1. मैथ्यू अर्नाल्ड - काव्य सिद्धान्त
2. क्रोंचे - अभिव्यंजनावाद
3. टी.एस. एलियट - निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

इकाई तीन - प्रमुख काव्य सिद्धान्त **(15 Hours)**

1. अभिजात्यवाद
2. स्वच्छंदतावाद
3. बिंबवाद
4. प्रतीकवाद

इकाई चार - **(15 Hours)**

1. आधुनिकतावाद
2. उत्तर आधुनिकतावाद
3. संरचनावाद
4. उत्तर संरचनावाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12

- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा, *'पाश्चात्य काव्यशास्त्र'*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
2. गणपतिचन्द्र, *'गुप्त भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त'*,लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ, सत्यदेव मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र कोश, सत्यदेव मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2019
5. गोपीचंद नारंग, *'संरचना एवं उत्तरसंरचनावाद'*,साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2004
6. पंडित सीताराम चतुर्वेदी, *समीक्षा शास्त्र*, कृष्णदास अकादमी प्रकाशन, वाराणसी, 1983
7. शेषेन्द्र शर्मा, *आधुनिक काव्यशास्त्र*, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990
8. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, *भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1980
9. पाश्चात्य काव्य चिंतन, डॉ॰ करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016

*****

Course Title: मीडिया लेखन
Course Code: HNC-11
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना, दूरदर्शन, रेडियो, जिसमें समाचार पत्र लेखन इंटरनेट आदि प्रमुख हैं। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को साहित्य के अलावा प्रयोजनमूलक हिन्दी से जोड़ना और उन्हें रोजगार हेतु प्रवृत्त करना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे।
3) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा।
4) रोजगार की दृष्टि से सिनेमा-लेखन से परिचित होंगे।
5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - समाचार पत्र लेखन **(15 Hours)**

(समाचार लेखन, संपादकीय, विज्ञापन लेखन, फीचर लेखन)

इकाई दो - रेडियो लेखन **(15 Hours)**

(रेडियो समाचार, रेडियो नाटक, रेडियो विज्ञापन, रेडियो वार्ता)

इकाई तीन - टेलिविजन लेखन **(15 Hours)**

(समाचार, धारावाहिक, रूपक, विज्ञापन, वार्ता, वृत्तचित्र)

इकाई चार - सिनेमा लेखन **(15 Hours)**

(पटकथा लेखन, संवाद लेखन, साहित्यिक कृतियों का फ़िल्मांकन)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विनोद गोदरे, *प्रयोजनमूलक हिन्दी*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
2. डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी, *राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009
3. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, *मीडिया और साहित्य*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2010
4. डॉ. शांति विश्वनाथन, *मीडिया और साहित्य*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009

5. सत्यदेव त्रिपाठी, *समकालीन फिल्मों के आइने में समाज*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2013
6. डॉ. श्याम कश्यप, *टेलीविजन की कहानी राजकमल प्रकाशन*, नयी दिल्ली, 2008

*****

Course Title: शोध प्रविधि
Course Code: HNC-12
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को शोध प्रक्रिया से परिचित कराना। शोध के समय क्याक्या समस्याएँ आती हैं - उनकी जानकारी देना। शोध की रूपरेखा तैयार कराना। शोध कार्य के विभिन्न क्षेत्रों से उन्हें अवगत कराना। साथ ही आज हिन्दी में शोध की क्या स्थिति है उसके बारे में बताना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी शोध की पूरी प्रक्रिया से अवगत होंगे।
2) शोध के दौरान आने वाली समस्याओं के प्रति जागरूक होंगे।
3) शोध के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान होगा।

4) विद्यार्थी भविष्य में शोध कार्य में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - 1. शोध का स्वरूप एवं महत्व **(15 Hours)**

2.शोध और आलोचना

3.शोध छात्रों की योग्यता

4.शोध एवं साहित्य

5.शोध के प्रकार (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, साहित्यिक एवं साहित्येतर शोध)

इकाई दो - शोध पद्धति एवं प्रक्रिया **(15 Hours)**

शोध पद्धति - मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक और तुलनात्मक पद्धति शोध प्रक्रिया- शोध की समस्या, शोध विषय का चयन, सामग्री संकलन एवं स्रोत (प्रकाशित-अप्रकाशित सामग्री, पुस्तकालय, संदर्भ ग्रंथ, पाण्डुलिपियों का संकलन और उपयोग, साक्षात्कार, प्रश्नावली)

इकाई तीन - शोध कार्य विभाजन एवं - कम्प्यूटर अनुप्रयोग **(15 Hours)**

शोध की रूप रेखा, प्रस्तावना, अध्याय विभाजन, शोध शीर्षक, मुख्य भाग, विवेचन, विश्लेषण, उपसंहार, सूची-संदर्भ, पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, टंकणलेखन, वर्तनी सुधार

इकाई चार - लघु शोध प्रकल्प लेखन **(15 Hours)**

(अधिकतम 10000 शब्दों का लघु शोध प्रकल्प)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1.आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत विद्यार्थी अधिकतम 10000 हजार शब्दों का लघु शोध प्रकल्प तैयार करेंगे।

2.सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)

- पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. रावत खंडेलवाल, *'शोध - प्रविधि और प्रक्रिया'*, जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 1976
2. डॉ. रावत खंडेलवाल, *'शोध तत्व और दृष्टि'*, जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 1976
3. डॉ. राजेन्द्र मिश्र, *'अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया'*, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
4. डॉ. विजयपाल सिंह, *'हिन्दी अनुसंधान'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. मधुकर पाडवी, *साहित्य चिंतन: समीक्षा एवं शोध*, अमन प्रकाशन कानपुर, 2010
6. डॉ. विनयमोहन शर्मा, *शोध प्रविधि,* नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली, 2008

Course Title: आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)
Course Code: HNE-10
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को उपन्यास, कहानी, नाटक एवं निबंध की जानकारी देना। साथ ही उन्हें प्रत्येक विधा की एक -एक रचना से परिचित कराना। इन विधाओं में साहित्यकार किन प्रश्नों को उठाता है उससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।

Learning Outcome:

1) गद्य की प्रतिनिधि विधाओं से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थियों को रचनाओं के माध्यम से समाज की विभिन्न स्थितियों का ज्ञान होगा तथा उनमें संवेदनशीलता विकसित होगी।

3) व्यावहारिक दृष्टि विकसित होगी।

4) विद्यार्थी सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - नाटक - माधवी, भीष्म साहनी **(15 Hours)**

इकाई दो- उपन्यास - धरती धन न अपना, जगदीशचंद्र **(15 Hours)**

इकाई तीन- चिन्तामणि भाग-1 (छह निबंध), आचार्य रामचंद्र शुक्ल **(15 Hours)**

इकाई चार- कहानी- अस्मितामूलक विमर्श केंद्रित कहानियाँ **(15 Hours)**

1. अपना गाँव - मोहनदास नैमिषराय
2. हरी बिंदी - मृदुला गर्ग
3. रात बाकी - रणेन्द्र
4. बेघर आँखें - तेजेंद्र शर्मा
5. ई मुर्दन का गाँव- कुसुम अंसल
6. जीना तो पड़ेगा- अब्दुल बिस्मिल्लाह

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
2. डॉ. बच्चन सिंह, '*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
3. डॉ. इन्द्रनाथ मदान, '*आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1973
4. डॉ. गोपाल राय, *'हिन्दी उपन्यास का इतिहास'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
5. डॉ. विभुराम मिश्र, *'प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार'*, अभिनव भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1975
6. डॉ. पुष्पपाल सिंह, *'समकालीन कहानी - युगबोध का संदर्भ'*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1986
7. डॉ. सुरेंद्र चौधरी, *'हिन्दी कहानी - प्रक्रिया और पाठ'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1995

*****

Course Title: स्त्री विमर्श

Course Code: HNE-11
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को स्त्री विमर्श की अवधारणा नारीवादी आन्दोलन और नारी लेखन, की भूमिका से अवगत कराना है। साथ ही लेखिकाओं द्वारा लिखित कविता, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा से परिचित कराना है।

Learning Outcome:

1) नारी आंदोलन एवं उसमें नारी लेखन की भूमिका से अवगत होंगे।
2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे।
3) स्त्री की दशा एवं उनके संघर्षमय लेखन से परिचित होंगे।

4) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे।
5) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।
6) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - सैद्धांतिक पक्ष **(15 Hours)**

1. स्त्री विमर्श की अवधारणा
2. स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि
3. नारीवादी आंदोलन - भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ
4. हिन्दी में नारी लेखन का स्वरुप और विकास

इकाई दो - उपन्यास- चाक, मैत्रेयी पुष्पा **(15 Hours)**

इकाई तीन - कविता- अनामिका **(15 Hours)**

बेजगह, स्त्रियाँ, एक औरत का पहला राजकीय प्रवास, हरियाली है, दलाई लामा, कुहनियाँ, घूंघट के पट खोल रे, तुलसी का झोला, बीजगणित, आम्रपाली।
(कुल 10 कविताएँ)

इकाई चार - आत्मकथा प्रभाखेतान - अन्या से अनन्या **(15 Hours)**

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12

- पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. जगदीश्वर चतुर्वेदी, '*स्त्री विमर्श*', अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2000
2. सुमन राजे, '*हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास*', भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2004
3. राधा कुमार, '*स्त्री संघर्ष का इतिहास*', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002
4. प्रभा खेतान, '*उपनिवेश में स्त्री*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003
5. ममता जैतली, श्री प्रकाश शर्मा, '*आधी आबादी का संघर्ष*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
6. क्षमा शर्मा, '*स्त्रीत्ववादी विमर्श - समाज और साहित्य*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

****

Course Title: गद्य की अन्य विधाएँ

Course Code: HNE-12
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम में गद्य की मुख्य विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाओं को पाठ्यक्रम में रखा गया है। इन विधाओं में आत्मकथा, डायरी, यात्रा वृतांत और जीवनी प्रमुख हैं। इन सभी की विद्यार्थियों को जानकारी देना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे।

2) संस्मरण और यात्रा-वृतांत लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे।
4) अन्य विधाओं के अद्यतन साहित्य से जुड़ सकेंगे।
5) विद्यार्थियों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।

Syllabus:

इकाई एक - आत्मकथा: **(15 Hours)**

क्या भुलूँ क्या याद करूँ - हरिवंशराय बच्चन

इकाई दो - डायरी: **(15 Hours)**

एक साहित्यिक की डायरी- मुक्तिबोध

इकाई तीन - यात्रा वृतांत: **(15 Hours)**

मेरी तिब्बत यात्रा- राहुल सांकृत्यायन

इकाई चार - जीवनी: **(15 Hours)**

प्रेमचंद घर में- शिवरानी देवी

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आत्मकथा साहित्य का अनुशीलन(डॉ॰ हरिवंशराय बच्चन के विशेष संदर्भ में), डॉ॰ विजया, शब्द सृष्टि प्रकाशन, नई मुंबई, 2008
2. महामानव महापंडित: राहुल सांकृत्यायन, कमला सांकृत्यायन, नयी दिल्ली,
3. मुक्तिबोध की समीक्षाई, अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003
4. डॉ. ब्रिजपाल सिंह गहलोत, *'मुक्तिबोध के काव्य में युग चेतना'*, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2016
5. प्रेमचंद की आत्मकथा, मदन गोपाल, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
6. कलम का मजदूर, मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
7. प्रेमचंद और उनका युग, डॉ॰ रामविलाश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
8. राहुल सांकृत्यायन: 'घुमक्कड़ शास्त्र' और यात्रावृत्त, डॉ॰ जानकी पाण्डेय, ज्ञान भारती प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2001

****